प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

रांची संस्करण

रविवार 22 दिसम्बर 2024

● वर्ष 03 ● अंक 131

● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2/- रुपया

श्रमेव जयते, स्पष्टमेव जयते

श्रमबिन्दु

37 वर्ष 1987-2024

रांची, धनबाद, भिलाई एवं बस्तर से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

डाक पंजीयन क्रं. छ. ग. / दुर्ग/ 13/ 2021- 23 | E-mail : srambindu@gmail.com | shrambindu@yahoo.in | आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

हेमंत सोरेन ने तिरुपति बालाजी के दर्शन किये

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को अपनी पत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन के साथ विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी का दर्शन किया। इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा है : तिरुपति की पावन धरती में विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी और श्री पद्मावती अम्मावरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना की। ॐ नमो नारायणाय ॐ नमो वेंकटेशाय।

वित्त मंत्री ने पांच साल के लिए जीएसटी मुआवजा उपकर बढ़ाने की मांग की

पांच साल में 3156 करोड़ रुपये घटी मुआवजा राशि: राधाकृष्ण

- झारखंड के वित्त मंत्री ने जीएसटी काउंसिल की बैठक में रखी बात
- कहा, 2019-20 में 12302.67 करोड़ मिले थे, वहीं 2023-24 में 9,145.26 करोड़ रुपये मिले

बैठक में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और झारखंड वाणिज्य कर आयुक्त अमित कुमार।

जैसलमेर/रांची। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार से जीएसटी मुआवजा उपकर को पांच वर्षों के लिए बढ़ाये जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य को वर्ष 2019-20 में 12302.67 करोड़ मिले थे। साल दर साल यह राशि घटती गयी। वर्ष 2023-24 में 3156 करोड़ रुपये घट कर केवल 9145.26 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने कहा है कि वर्ष 2017 से 2022 तक झारखंड ने मुआवजा कर के रूप में 41 हजार करोड़ रुपये का योगदान दिया है। राज्य को केंद्र सरकार द्वारा करीब 14 हजार करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में प्राप्त हुआ है। केंद्र को 2023-24 में 2.18 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जिसमें झारखंड का योगदान 34.734 करोड़ रुपये है। इस प्रकार जीएसटी में झारखंड के योगदान के अनुरूप मुआवजा राशि नहीं मिलती है। अतः मैं मांग करता हूं कि जीएसटी से झारखंड को मिलने वाली राशि की अवधि अगले पांच वर्षों तक बढ़ायी जाये।

झारखंड के वित्त मंत्री शनिवार को राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित जीएसटी कार्उंसिल की 55वीं बैठक में बोल रहे थे। इससे पहले शुक्रवार को राधाकृष्ण किशोर ने प्री-बजट बैठक में केंद्र सरकार पर झारखंड के 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाया भुगतान की मांग उठायी थी। वहीं, शनिवार को जीएसटी काउंसिल की बैठक में उन्होंने मुआवजा उपकर को अगले पांच साल तक बढ़ाने की मांग के अलावा अन्य बातों को रखा।

वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2019-20 में 12302.67 करोड़ रुपये, 2020-21 में 11993.41, 2021-22 में 10666.85, 2022-23 में 10893.54, 2023-24 में 9,145.26 और 2024-25 में नवंबर तक केवल 4,642.30 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि विगत पांच वर्षों में केंद्रीय अनुदान की राशि में कमी आती गयी है, इसे पूर्व की तरह बढ़ाने की जरूरत है।

झारखंड के मंत्री ने कहा

- वरिष्ठ नागरिकों के अतिरिक्त पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किये गये प्रीमियम पर जीएसटी से छूट देने का प्रस्ताव है। मेरा सुझाव है कि गैर वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाले 18% जीएसटी को घटा कर 5% किया जाना चाहिए।
- झारखंड एक छोटा विनिर्माता राज्य है। माल और सेवा कर प्रणाली के क्रियान्वयन से इसके आंतरिक राजस्व संग्रहण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। झारखंड खनिज संपदाओं के खनन में अग्रणी है। राज्य में उत्पादित औद्योगिक उत्पादन एवं खनिजों का अधिकांशतः अंतर्राज्यीय आपूर्ति होता है। वैट अवधि में अंतर्राज्यीय आपूर्ति पर राज्य को सीएमटी के रूप में राजस्व संग्रहण की प्राप्ति होती है। परंतु जीएसटी के संरचनात्मक परिवर्तन के कारण अंतर्राज्यीय आपूर्ति पर राजस्व की प्राप्ति शून्य हो गयी है। वैट में चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर 16% था, जबकि जीएसटी में यह गिर कर 10% हो गया है।

कुवैत पहुंचे पीएम मोदी, कथकली नृत्य से स्वागत

आग में जान गंवानेवाले मजदूरों के कैंप गये

एजेंसी

कुवैत सिटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर कुवैत पहुंचे। किसी भारतीय प्रधानमंत्री का 43 साल बाद ये कुवैत दौरा है। मोदी से पहले 1981 में प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी ने कुवैत का दौरा किया था। मोदी का एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट स्वागत हुआ। भारतीय मूल के लोगों ने प्रधानमंत्री के लिए कथकली नृत्य किया। इसके बाद पीएम कुवैत सिटी पहुंचे, जहां अरबी भाषा में लिखी और प्रकाशित 'रामायण' और 'महाभारत' के प्रकाशक अब्दुल लतीफ अलनेसेफ और अनुवादक अब्दुल्ला बैरन से मुलाकात की। उन्होंने पीएम मोदी को अरबी भाषा में लिखी 'रामायण' और 'महाभारत' भेंट की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने भारतीय मजदूरों के कैंप का दौरा किया। दरअसल, इसी साल 12 जून को कुवैत में मजदूरों के एक कैंप में आग लग गयी थी, जिसमें 50 लोगों की जलकर मौत हो गयी थी। इनमें 45 भारतीय थे। प्रधानमंत्री ने 'हाला मोदी' कार्यक्रम में पांच हजार भारतीय मूल के लोगों को संबोधित किया। कुवैत में भारतीय समुदाय के करीब 10 लाख लोग रहते हैं। यह वहां रहने वाले विदेशी लोगों में सबसे ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गल्फ कप फुटबॉल के उद्घाटन समारोह में भी बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। प्रधानंत्री को रविवार को कुवैत के बायन पैलेस में गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया जायेगा। इसके बाद वे कुवैत के अमीर शेख और क्राउन प्रिंस के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के बीच स्थानीय मुद्रा में कारोबार पर भी चर्चा हो सकती है।

गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर बसपा ने किया 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन का ऐलान

लखनऊ।

संसद में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के बयान के बाद शुरू हुई विपक्षी दलों की सियासत ने अब तेजी पकड़ ली है। इसे लेकर बसपा मुखिया मायावती ने अब आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि देश के दलित, वंचित व अन्य उपेक्षितों के आत्मसम्मान व मानवीय हकूक के लिए अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान के रूप में असली ग्रंथ के रचयिता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर भगवान की तरह परमपूजनीय हैं। उनका अमित शाह द्वारा किया गया अनादर लोगों के दिलों को आहत पहुंचाता है।

उन्होंने आगे लिखा कि ऐसे महापुरुष को लेकर संसद में इनके द्वारा कहे गए शब्दों से पूरे देश में सर्व समाज के लोग काफी उद्वेलित, आक्रोशित व आंदोलित हैं। अम्बेडकरवादी बीएसपी ने इस क्रम में उनसे बयान वापस लेने व पश्चाताप करने की मांग की है, जिसपर अभी तक भी अमल नहीं किया जा रहा है।

मायावती ने कहा कि ऐसे में मांग न पूरी होने पर फिर पूरे देश में आवाज उठाने की बात बीएसपी द्वारा की गई। इसलिए अब पार्टी ने अपनी इस मांग के समर्थन में 24 दिसंबर 2024 को देशव्यापी आन्दोलन करने का फैसला लिया है। उस दिन देश के सभी जिला मुख्यालयों पर पूर्णतः शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने आगे लिखा कि दलित/बहुजनों को अपने पैरों पर खड़े होकर आत्म-सम्मान के साथ जीने के लिए आजीवन कड़ा संघर्ष व आरक्षण सहित उनको अनेकों कानूनी हक दिलाने वाले उनके सच्चे मसीहा बाबा साहेब के नहीं रहने पर उनके अनुयायियों का हित व कल्याण ही उनका सबसे बड़ा सम्मान है, जिसके लिए बीएसपी समर्पित है। मायावती ने कहा कि अतः कांग्रेस, भाजपा आदि पार्टियां अगर बाबासाहेब का दिल से आदर-सम्मान नहीं कर सकती हैं तो उनका अनादर भी न करें। बाबासाहेब के कारण एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्गों को जिस दिन संविधान में कानूनी अधिकार मिले उसी दिन उन्हें सात जन्मों का स्वर्ग भी मिल गया है।

मध्य प्रदेश के देवास में आग का तांडव, पति-पत्नी और दो बच्चे जिंदा जले

देवास।

मध्य प्रदेश के देवास में शनिवार तड़×के सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। नयापुरा क्षेत्र में एक मकान में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दिनेश कारपेंटर, उनकी पत्नी गायत्री, बेटी इशिका और बेटा चिराग शामिल है।

जानकारी के अनुसार, घर के नीचे दूध डेयरी में लगी आग ने विकराल रूप लिया और बिल्डिंग की दूसरी मंजिल को अपने चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग लगने की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी देर की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया जा सका। आग इतनी भीषण थी कि परिवार के लोगों को बचाया नहीं जा सका। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

एसपी पुनीत गेहलोद ने बताया कि यह डेयरी संचालक दिनेश कारपेंटर का घर हैं, नीचे वे दुकान चलाते थे और ऊपर की मंजिल पर परिवार के साथ रहते थे। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। घर को सील कर दिया गया है। इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए हम सभी प्रशासनिक टीमों के साथ मिलकर जांच कर रहे हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं न हों।

एसपी ने आगे कहा कि प्राथमिक जांच में यह संभावना जताई जा रही है कि पहले तल पर कुछ ज्वलनशील सामग्री रखी गई होगी, जिससे आग ज्यादा फैल गई। दूसरी मंजिल पर मौजूद लोगों को समय पर बचाया नहीं जा सका। अभी पूरी घटना की जांच की जा रही है।

जौनपुर और मथुरा में पुलिस मुठभेड़, पकड़े गए गो तस्कर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर और मथुरा में पुलिस और गो तस्करों के बीच शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात दो अलग-अलग मुठभेड़ में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया।

जौनपुर के थाना मछलीशहर और सुजानगंज पुलिस ने संयुक्त रूप से गो तस्करों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया था। पुलिस मुठभेड़ में एक तस्कर को पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तस्कर के पास से एक बाइक, एक तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है।

सीओ विवेक कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि थाना मछलीशहर और सुजानगंज पुलिस चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो लोग पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने संदेह होने पर उनका पीछा किया। इस दौरान उनकी घेराबंदी की गई। हालांकि, तभी उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। एक व्यक्ति पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा शख्स अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल व्यक्ति को हिरासत में लेकर इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

न्यूज अपडेट

साकची बाजार शिव मंदिर में खिचड़ी भोग का वितरण

जमशेदपुर। शनिवार को साकची बाजार शिव मंदिर परिसर मे पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन (अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन) द्वारा आयोजित नर सेवा ही नारायण सेवा कार्यक्रम के तहत आम लोगो के बीच खिचड़ी भोग (प्रसाद) का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल और महामंत्री राजेश रिंगसिया के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें लगभग 800 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्य बजरंग लाल अग्रवाल, पवन सिंघानिया, सीताराम देबुका, श्रवण देबुका, शंभु खन्ना, उमेश शाह, नरेश अग्रवाल, गिरधारी खेमका, भोला नाथ चौधरी, नरेश सिंघानिया, प्रमोद खन्ना, विवेक चौधरी, पंकज छावछरीया, बजरंग अग्रवाल, अंकित अग्रवाल सिद्दार्थ खण्डेलवाल, बिनोद शाह, चन्दन चौधरी, दिलीप चौधरी, मोहित शाह, प्रमोद चेतानी, टिक्कु मावनडिया, बबली अग्रवाल, गप्पू अग्रवाल, निकेश जालुका, शिवम चेतानी, अमन नरेडी, तुषार जिंदल, महेश अग्रवाल, आशीष खन्ना, रजनी बंसल, उमा चेतानी, निशा सिंहल, बबीता मूनका, नेहा अग्रवाल आदि उपस्थित होकर प्रसाद वितरण में सहयोग किया।

अगले 3 महीने में चाईबासा होगा नक्सल मुक्त - डीजीपी

चाईबासा। झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ की बड़ी बैठक शनिवार को चाईबासा में संपन्न हुई। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता और सीआरपीएफ डीजी अनीश दयाल सिंह ने चाईबासा में वामपंथी उग्रवाद और एंटी नक्सल ऑपरेशन पर किया अहम बैठक। बैठक में सीआरपीएफ आइजी साकेत सिंह और आइजी अभियान एवी होमकर के साथ कई जिलों के एसपी रहे मौजूद। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता और सीआरपीएफ डीजी अनीश दयाल सिंह ने आज पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा जिला मुख्यालय में एंटी नक्सल ऑपरेशन पर अहम बैठक किया। बैठक में सीआरपीएफ आइजी साकेत सिंह और आइजी ऑपरेशन एवी होमकर के साथ पुलिस और सीआरपीएफ के राज्य स्तर के कई वरीय अधिकारी और विभिन्न जिलों के एसपी मौजूद रहे। मौके पर झारखंड में वामपंथी उग्रवाद और एंटी नक्सल ऑपरेशन का समीक्षा किया गया। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में एंटी नक्सल ऑपरेशन को लेकर इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक के बाद डीजीपी ने कहा कि झारखंड में तीन महीना मे नक्सल का खात्मा हो जायेगा।

छात्रा फराह नाज़ को मिला तीसरा स्थान

जमशेदपुर। विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल, मानगो की दसवीं कक्षा की छात्रा, फराह नाज़ ने राज्य स्तरीय स्वदेश मंत्र (स्वामी विवेकानंद द्वारा रचित) वाक् प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इससे पहले, उन्होंने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था, जिससे उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। प्रति वर्ष इस प्रतियोगिता का आयोजन रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराबादी, रांची के द्वारा किया जाता है।

गोविंद विद्यालय तमोलिया में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

जमशेदपुर। तमोलिया स्थित गोविंद विद्यालय में 21 दिसंबर शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सीनियर वर्ग में 100 मीटर दौड़, 400 मीटर रिले रेस और जूनियर वर्ग में बैलून बस्टिंग, सिंपल रेस, पार्टनर रेस, स्पून एंड मार्बल रेस, गेट रेडी फॉर स्कूल रेस जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा गुब्बारे उड़ाकर किया गया। अतिथियों में सेवानिवृत्त हेडमास्टर डब्ल्यू. रहमान, जिला एथलेटिक्स कोच कृष्णा सिका, स्टेट कोऑर्डिनेटर परायोगासन शुभम कुमार, 'मेन वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव मुख्तार आलम, समाजसेवी अजमल बल्खी, विद्यालय सचिव अभिषेक शर्मा, प्राचार्या कृष्णा मोदक, और हिंदी माध्यम की प्राचार्या सुनीता त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेलों से बच्चों में सहयोग, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास होता है। चारों हाउस की सालभर की मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर रोज हाउस को विजेता घोषित किया गया, जबकि डफोडिल हाउस उपविजेता रहा। 11वीं कक्षा की आकांक्षा कुमारी को इस वर्ष की ष्बेस्ट एथलीटष् का खिताब मिला। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका शिखा सिंह, जारा खान और साराह अली ने किया। स्वागत भाषण शिखा सिंह ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन आरुषि निधि ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम इंचार्ज नौशाद रजिया, सीनियर कोऑर्डिनेटर हरविंदर कौर, खेल शिक्षिका आरुषि निधि, शिक्षक गोकुल आनंद मिश्रा सहित सभी शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पंचायत भ्रमण के दौरान पदाधिकारियों को स्वास्थ्य उपकेन्द्र मिला बंद, पारा मेडिकल स्टाफ गायब, एमओआईसी बोड़ाम को शो-कॉज

सभी प्रखंडों के नोडल पदाधिकारी भी पंचायतों में पहुंचकर विकास योजनाओं की स्थिति को देखा

जमशेदपुर।

जिला उपायुक्त के निर्देशानुसार सभी 11 प्रखंडों के लिए नामित नोडल पदाधिकारी द्वारा प्रत्येक शनिवार को अपने प्रखंड क्षेत्र के किसी एक पंचायत का निरीक्षण किया जाता है। पंचायतों में क्रियान्वित विकास योजनाओं की वस्तुस्थिति से अवगत होने उपायुक्त भी बोड़ाम प्रखंड के लायलम पंचायत पहुंचे। मौके पर एसडीओ धालभूम शताब्दी मजूमदार, बीडीओ बोड़ाम किकू महतो मौजूद रहे। इस दौरान उन्होने स्वास्थ्य केन्द्र, मनरेगा की योजना, पंचायत भवन, जन वितरण प्रणाली दुकान, विद्यालय आदि का निरीक्षण कर लोगों को दी जा ही सेवाओं, पंचायत में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली तथा प्रखंड के पदाधिकारियों को आवशयक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में बोड़ाम के लायलम में स्वास्थ्य उपकेन्द्र बंद पाये जाने तथा किसी भी पारा मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति नहीं पाये जाने पर उपायुक्त द्वारा एमओआईसी बोड़ाम को शोकॉज किया गया। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी संस्थायें किस प्रकार कार्य कर रही हैं, विद्यालयों में पठन-पाठन के अलावा अन्य पाठ्येत्तर गतिविधि तथा बच्चों को मिलने वाले सरकार की योजनाओं का लाभ, आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषाहार वितरण, बच्चों एवं गर्भवती माताओं के सेहत की निगरानी व उचित परामर्श, स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सीय सेवाओं, जन वितरण प्रणाली दुकानों से ससमय खाद्यान्न का वितरण, साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती मनरेगा की योजनाओं का सघन अनुश्रवण इस पंचायत स्तरीय निरीक्षण कार्यक्रम का उद्देशय है जिससे विकास कार्यों की योजनाएं निर्बाध गति से सुचारू रूप से संचालित होती रहें, किसी समस्या आने पर प्रखंड के पदाधिकारी तत्काल जिला के पदाधिकारी से समन्वय बनाकर समाधान ढूंढ सकें। इसी क्रम में एसडीओ ने बोड़ाम के लायलम, उप निर्वान पदाधिकारी ने गोलमुरी सह जुगसलाई प्र-खंड के बेलाजुड़ी पंचायत, कार्यपालक दण्डाधिकारी घाटशिला ने मुसाबनी के गोहला पंचायत, जिला कृषि पदाधिकारी ने पटमदा के जोडसा पंचायत, नियोजन पदाधिकारी ने चाकुलिया का कालापाथर, जिला मत्स्य पदाधिकारी ने धालभूमगढ़ के कोकपाड़ा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने डुमरिया के पलासबनी, निदेशक एनईपी ने गुड़ाबांदा के बनमाकड़ी पंचायत, भूमि सुधार उप समाहर्ता, घाटशिला ने बहरागोड़ा का खेदुआ पंचायत, भूमि सुधार उप समाहर्ता, धालभूम ने पोटका के हरिणा पंचायत, जिल पंचायती राज पदाधिकारी ने जमशेदपुर अक्षेस, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने जुगसलाई नगर परिषद, जिला भू अर्जन पदाधिकारी ने मानगो नगर निगम का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने पंचायतों के निरीक्षण को लेकर बताया कि यह अभ्यास सरकार की सेवाओं, सुविधाओं से किस तरह आम लोग लाभान्वित हो रहे हैं इसे जानने एवं त्रुटियों, खामियों को दूर करने का प्रयास है । सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को सुगमता से मिले, वंचित लोगों को योजनाओं से जोड़ने एवं जागरूक करने का प्रयास है। आंगनबाड़ी केन्द्र, विद्यालय की जांच हो या पीडीएस दुकान, स्वास्थ्य केन्द्रों की निगरानी, इन सभी संस्थाओं से आम लोग सीधे जुड़े होते हैं तथा इससे लाभान्वित होते हैं। मनरेगा की योजना से लोगों को पंचायत स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध कराया जाता है, कितना मानव दिवस सृजन किसी योजना में हुआ या तय समयावधि या मानक के अनुरूप योजना पूर्ण हो रहे हैं या नहीं, इन सभी बिंदुओं पर निरीक्षण के दौरान जांच किया जा रहा है। स्कूलों में मीड डे मील मेन्यू अनुसार मिल रहा या नहीं, पठन-पाठन तथा शिक्षक व बच्चों की उपस्थिति, खाद्यान्न वितरण, स्वास्थ्य केन्द्रों में दवा की उपलब्धता, चिकित्सक व पारा मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति आदि की जांच की जा रही । बेहतर से बेहतर सेवा और सुविधा लोगों को मिले इस दिशा में जिला प्रशासन का प्रयास है।

आज सीसीटीवी की निगरानी में जिला के 13 केंद्रों में होगी चौकीदार भर्ती हेतु लिखित परीक्षा

जमशेदपुर।

रविवार 22 दिसम्बर 2024 को चौकीदार भर्ती की लिखित परीक्षा जिला के 13 परीक्षा केंद्रों में आयोजित किये जायेंगे। जिला उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार परीक्षा के दौरान शांति एवं विधि व्यवस्था संधारण के साथ-साथ निष्पक्ष, कदाचार मुक्त, स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन हेतु प्रतिनियुक्त स्टैटिक, गश्ती, उड़नदस्ता दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई। ब्रीफिंग में सिटी एसपी ऋषभ गर्ग, एडीसी भगीरथ प्रसाद ने प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी को आवशयक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि लिखित परीक्षा पूर्वाहन 11 बजे से अपराह्न 12.30 बजे तक आयोजित किये जाएंगे। परीक्षा के दौरान शांति एवं विधि व्यवस्था संधारण के साथ-साथ निष्पक्ष, कदाचार मुक्त, स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी, इसके अलावे वीडियोग्राफर की प्रतिनियुक्ति भी की जाएगी। परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक गेजेट्स पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी, प्रत्येक परीक्षार्थियों का फ्रीस्किंग किया जाएगा। उन्होने प्रतिनियुक्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय से 2 घंटे पूर्व अपने निर्धारित स्थान पर पहुंच जाए। बज्रगृह से परीक्षा केन्द्र तक परीक्षा संबंधी कागजात समय पर पहुंचे यह सुनिश्चत कराये। इसके अलावे परीक्षा के सफल संचालन हेतु परीक्षा नियंत्रण कक्ष संचालित रहेगा, जिसका दुरभाष नम्बर 0657-2440111 जारी किया गया है। परीक्षा के दौरान अफवाह की स्थिति न हो इसके लिए प्रतिनियुक्त अधिकारियों को सतर्क, सजग एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए नियंत्रण कक्ष तथा वरीय अधिकारियों को सूचित करने का निदेश दिया गया। रूरल एसपी ने कहा कि परीक्षा केन्द्रों एवं उसके आस-पास शांति एवं विधि व्यवस्था के निमित पुलिस बल सदैव भ्रमणशील रहेंगे। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में महिला पुलिस की अलग से तैनाती रहेगी। बैठक में कार्यपालक दण्डाधिकारी मृत्युंजय कुमार, डीएसपी भोला प्रसाद सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

शहर की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु उप नगर आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

जमशेदपुर।

शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देशय से जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) कार्यालय सभागार में उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संवेदकों, स्वच्छता पर्यवेक्षकों, नगर प्रबंधक, और विशेष पदाधिकारी शामिल हुए। उप नगर आयुक्त ने सफाई कार्यों में सुधार लाने के लिए सख्त निर्देश दिए। बैठक के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया गया। पीपीई किट अनिवार्यः- सभी सफाई कर्मियों और पर्यवेक्षकों को पूर्ण रूप से पीपीई किट पहनने का निर्देश दिया गया। किट का पालन न करने पर संबंधित संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी। माइक्रो प्लानः- सड़क और नाली सफाई के लिए लेबर डिप्लॉयमेंट की सूची जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया। घरों से कचरा न फेंकने की हिदायतः- माइकिंग के माध्यम से नागरिकों को खुले में कचरा या नाली में कचरा न फेंकने की चेतावनी दी जाएगी। नियम का उल्लंघन करने वालों पर स्पॉट फाइन लगाया जाएगा। रिपोर्ट सबमिशनः- पर्यवेक्षकों को एक सप्ताह के भीतर नालियों और गलियों की सफाई का पूर्ण विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

दैनिक अनुश्रवण और निरीक्षणरू नोडल और वरिष्ठ पदाधिकारी सफाई कार्यों का नियमित अनुश्रवण और औचक निरीक्षण करेंगे। बैठक में उप नगर आयुक्त ने स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी को सहयोग और तत्परता से कार्य करने का आहवान किया।

काले की देखरेख में हर हर महादेव सेवा संघ का कंबल वितरण अभियान जारी

जमशेदपुर।

मौसम के करवट लेने के साथ ही ठिठुरन बढ़ गई है और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठंड के प्रकोप को देखते हुए हर हर महादेव सेवा संघ ने संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले के नेतृत्व में कंबल सेवा अभियान में गति प्रदान करके शुक्रवार को ट्यूब गेट, हरिजन बस्ती, चूना भट्टा, गांधी नगर, बर्मामाइंस सहित अन्य स्थानों पर ज़रूरतमंदों एवं बुजुर्गों के बीच कंबल सेवा किया गया। गर्म कंबल पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि लोगों की सेवा करना ही परमात्मा की सच्ची सेवा है। मानवता की सेवा करना, गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करना, समाज को बेहतर बनाना, यह प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए दूसरों की मदद करनी चाहिए, क्योंकि समाज की भलाई में ही हर किसी की भलाई है। इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में धनुर्धर त्रिपाठी, पप्पू राव, घनशयाम पांडे, मीरा शर्मा, पिंटू सिंह, पवन नाग, राजकुमार शर्मा, मुखिया सुरेश मुखी, महेश मुखी, सावन मुखी, दीपू मुखी, प्रदीप मुखी एवं हर हर महादेव सेवा संघ परिवार से अखिलेश पांडे, जूगुन पांडे, प्रिंस सिंह, बिभाष मजुमदार, शेखर मुखी, रितिका श्रीवास्तव, बिनोद भिरभरिया, शुरू पात्रों एवं अन्य की सराहनीय भूमिका रही।

इनर व्हील क्लब जमशेदपुर जेस्ट ने जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाया क्रिसमस

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब जमशेदपुर जेस्ट ने अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए क्रिसमस का पर्व गोलमुरी स्थित शिवा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया। क्लब की अध्यक्ष प्रीति गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों को भीषण ठंड से बचाने के लिए गरम कपड़े और दस तकिए वितरित किए गए। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष निशा गाड़िया, मधु कजारिया और क्लब के अन्य सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। बच्चों के साथ क्रिसमस के जश्न में केक काटा गया और उपहार भी वितरित किए गए। अध्यक्ष प्रीति गोयल ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना इनर व्हील क्लब का मुख्य उद्देशय है। इस पहल के माध्यम से क्लब ने मानवता और सेवा के मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

बाबा थारी चाकरी भी ठाकरी सी लागे जी.... जैसे भजनों पर भाव विभोर हो उठे श्रद्धालु

- **सोनारी में श्री शयाम सेवा संघ का दो चरणों में 22 वां महोत्सव धूमधाम से आयोजित**
- **निशान यात्रा में उमड़े भक्त, गूंजे शयाम बाबा के जयकारे**

जमशेदपुर।

शनिवार को श्री शयाम सेवा संघ, सोनारी द्धारा 22 वां श्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह धार्मिक कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष अशोक दीवान के नेतृत्व में दो चरणों में संपन्न हुआ। शनिवार को सोनारी शयाममय रहा। प्रथम चरण में दोपहर 01.30 बजे से सोनारी रांम मंदिर से विभिन्न मार्ग होते हुए जूनियर कारमेल स्कूल के पीछे मैदान (महोत्सव स्थल) तक लगभग चार किलोमिटर निशान शोभा यात्रा निकली गयी। जिसमें 801 शयाम प्रेमी निशान लिये बाबा शयाम का जयकारा लगाते और भजन गाते हुए चल रहे थे। निशान शोभा यात्रा में कई गणमान्य लोग शामिल होकर बाबा शयाम का आशीर्वाद लिया। इससे पहले राम मंदिर में निशान की पूजा मुख्य यजमान गजानंद भालोटिया एवं प्रदीप चूड़ीवाला ने किया। पंडित विपिन पांडेय ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना करायी। शोभा यात्रा में सबसे आगे एक घोड़ा पर सवार बाबा शयाम का रूप बनाये कलाकार और उसके पीछे खुले वाहन पर सजा बाबा शयाम का दरबार के साथ भक्त चल रहे थे। दूसरे चरण में रात्रि कीर्तन मे मुख्य यजमान रितु-पंकज अग्रवाल ने पूजा की और पंडित विपिन पांडेय ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना करायी और सब भक्तों को रक्षा सूत्र बांधा। स्थानीय कलाकार महावीर अग्रवाल ने गणेश वंदना मेरे लाडले गणेश प्यारे प्यारे... से रात में भजन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने चल खाटू के धाम पता नहीं क्या तुझे मिल जाए...., मेरी झोपडी के भाग आज खुल जायेंगे शयाम आयेंगे..., कभी रूठना ना मुझ से श्री शयाम सांवारे... आदि भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। भजनो की अमृत वर्षा के लिए आमंत्रित कलाकार राजस्थानी भजनो के लिए प्रसिद्ध भाई प्रवेश शर्मा (बीकानेर) ने कैंया रुस्या बैठ्या हो बोलो जी कुछ बोलो जी...., एक दिन तो आएगा मेरा खाटू वाला यही सोच मैंने खुद को सम्हाला..., शयाम तेरे भक्तों को तेरा ही सहारा हैं..., बाबा थारी चाकरी भी ठाकरी सी लागे जी.... एवं जयंत ब्यास (कोलकात्ता) ने किसी की माझी किसी का साथी और किसी का सहारा है..., जख्म जो भी मेरे शयाम तुम ही भरो..., कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो हैं..., दीनानाथ मेरी बात छानी कोनी तेरे से..., कभी रूठना ना मुझ से श्री शयाम सांवारे... आदि भजनों की प्रसतुति देकर बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगायी। कलाकारों के भजनों पर श्रोता भाव विभोर हो उठे और जमकर तालियां बजाकर बाबा शयाम को रिझाया। देर रात 2 बजे शयाम प्रेमियों द्वारा बाबा को नाचते रिझाते गजरा महोत्सव तथा शंख घड़ियाल द्वारा बाबा की सामूहिक आरती के बाद छप्पन भोग बितरण के साथ महोत्सव संपन्न हुआ। निशान यात्रा में शामिल भक्तों की मार्ग में चाय, पानी, जूस, कोल्डड्रिक्स आदि की सेवा क्रमशः स्वर्गीय बाबूलाल अग्रवाल के निवास स्थान के पास, भायली महिला मण्डल, झारखण्ड युवा संस्कृतिक मंच, भाजपा चौक मे महेश शर्मा, आहार रेस्टुरेंट के सुरेश अग्रवाल, नर्स क्वाटर चौक मे साबु परिवार, नरेडी परिवार कागलनगर, मदन लाल अग्रवाल, ऑटो स्टैंड के सदस्यों द्धारा अलग-अलग स्थानों पर किया गया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण भव्य दरबार, आकर्षक विद्युत सज्जा, छप्पन भोग, माखन मिश्री का भोग, रात्रि 2 बजे गजरा महोत्सव, शंख घड़ियाल द्वारा बाबा की सामूहिक आरती, भजनों की अमृत वर्षा रही। रात 2.30 बजे महाआरती होने के बाद छप्पन भोग का वितरण किया गया। महोत्सव में सैकड़ों की संख्या में शयाम भक्त शामिल हुए। बंगाल के कुशल कारीगरो द्वारा बाबा शयाम का भव्य दरबार सजाया गया था। इस महोत्सव को सफल बनाने में अध्यक्ष अशोक दीवान, अमित अग्रवाल, जीतेन्द्र साबु, रुपेश जैन, शयाम अग्रवाल, संदीप मित्तल, राकेश अग्रवाल, विकेश दीवान, मनीष गर्ग, अजय अग्रवाल, समीर दीवान, पंकज अग्रवाल, राजेश टोड़ी, अरविन्द अग्रवाल, गौतम अग्रवाल, चेतन अग्रवाल, महाबीर अग्रवाल, विजय गुप्ता, राहुल अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, रुपेश अग्रवाल समेत श्री शयाम सेवा संघ सोनारी के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

न्यूज अपडेट

प्रखंड रबी कार्यशाला में अस्सी किसानो ने आधुनिक कृषि के सीखे तरीके

बोरियों। प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड रबी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ जिला सांख्यिकी एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण भोक्ता, प्रखंड कृषि पदाधिकारी जोसेफ टुडू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया जिसमें ग्राम मंगरूटिकर, मंझवाई, रंगमटिया, बड़ा कुसमी और मठियो के 80 किसानों ने भाग लिया। जिसमें मिट्टी जांच करने के तरीके, रबी के मौसम में बीज उपचार के तरीके, बीज विनिमय एवं वितरण योजना, धान अधिप्राप्ति योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफ़ी योजना, झारखंड कृषि मिलेट मिशन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और पी०एम० सम्मान निधि इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यक्रम की समीक्षा की गई

साहिबगंज। शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया साहिबगंज की अध्यक्षता में एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यक्रम की समीक्षा की गई और शिक्षा विभाग के साथ कोऑर्डिनेशन स्थापित करते हुए विद्यालय में आयरन की नीली गोली और आयरन की गुलाबी गली के उपलब्धता और रिपोर्टिंग पर विस्तार से चर्चा की गई उपरोक्त मीटिंग में जिला शिक्षा पदाधिकारी , सभी सामुदायिक से स्वास्थ्य केंद्र तालझरी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डॉक्टर रंजन कुमार,राजमहल प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डॉक्टर उदय टूटू, ब्लॉक प्रबंधन इकाई और प्रत्येक ब्लॉक से एक-एक आरबीएसके डॉक्टर राजेश कुमार साह,डॉक्टर अखिलेश कुमार महतो,डॉक्टर पीतांबर कुमार,ने हिस्सा लिया.

थाना दिवस का हुआ आयोजन

उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र में बढ़ते जमीनी मामले को देखकर त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से हर शनिवार को थाना दिवस आयोजन का निर्देश प्राप्त हैं। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडे ने कहा कि शनिवार को थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अंचलअधिकारी जयंत कुमार तिवारी उपस्थित हुए। हालांकि एक भी फरियादी थाना नहीं पहूंचे थे। उन्होंने लोगों से अपील किया कि जमीन से संबंधित मामले का निपटारा के लिए शनिवार को थाना पहूंचकर इसका लाभ उठाएं । मौके पर सीआई दारा पासवान व पीएलभी रुपेश्वर सरकार सहित अन्य उपस्थित थे।

फाईलेरिया रोगियों को स्क्रीनिंग करते हुए स्टेजिंग किया

बोरियों। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियो के फाईलेरिया क्लिनिक मे चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित गोंड के द्वारा फाईलेरिया रोगियों को स्क्रीनिंग करते हुए स्टेजिंग किया गया तथा थर्ड स्टेज से ऊपर वाले फाईलेरिया रोगियों को विकलांग प्रमाण पत्र बनाने का कहा गया, साथ ही फाईलेरिया (हाथीपांव) जैसे गंभीर बीमारी से बचाव हेतु हाथीपांव रोगियों को रुग्णता प्रबंधन एवं विकलांगता रोकथाम (एमएमडीपी) किट प्रदान करते हुए इनके प्रयोग का तरीका प्रैक्टिकल करते हुए बताया गया। इस मौके पर एमटीएस मनोहर पंडित, एमपीडब्ल्यू शशिशेखर शर्मा, बेंजामीन मुर्मू, पवन कुमार, सुशीला मुर्मू, सहिया साथी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

साहित्य के प्रति प्रेम से समाज की अनेक बुराइयों को दूर किया जा सकता है। राजा

साहिबगंज। साहित्य के प्रति प्रेम और समर्पण समाज से अनेक बुराइयों को दूर करने का सर्वोत्तम माध्यम है. हम जैसे ही अपने आप को साहित्य के प्रति समर्पित करते हैं हमारे अंदर की कई प्रकार की दुर्भावनाएं स्वत दूर हो जाती है. साहित्य केवल मां की कल्पना नहीं अपितु समाज का आईना भी है. उपरोक्त बातें साहित्य की दुनिया के दो दिवसीय राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कही. विधायक ने कहा कि साहित्य केवल समाज का दर्पण ही नहीं बल्कि मानसिक और शारीरिक विकारों को दूर करने का एक प्रयास भी है.

Ration Card ई-केवाईसी की प्रक्रिया और अंतिम तारीख

राशन कार्ड धारकों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है. बिना ई-केवाईसी के राशन कार्ड निरस्त हो सकता है जिससे इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा. पहले ई-केवाईसी की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2024 थी लेकिन अब इसे बढ़ाकर फरवरी 2025 कर दिया गया है.

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 11 और 12 जनवरी को सजेगा विशेष दीवान

रांची, एजेंसी। पटना साहिब में प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए गुरु नानक सत्संग सभा के 240 श्रद्धालुओं का जत्था 3 और 4 जनवरी को हटिया रेलवे स्टेशन से हटिया-पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस से पटना साहिब के लिए रवाना होगा। वहां प्रकाश पर्व के सभी आयोजनों में शामिल होने के बाद श्रद्धालुओं का जत्था 8 जनवरी को वापस रांची पहुंचेगा।

श्रद्धालुओं के जत्थे के रांची वापस पहुंचने के बाद 11 एवं 12 जनवरी को सत्संग सभा के जरिये श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भव्य विशेष दीवान सजाया जाएगा। 11 जनवरी की सुबह 8 से 10 बजे तक तथा रात 8 बजे से 11 बजे तक और 12 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा। इन सभी दीवानों में सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई गुरमन प्रीत सिंह जी दिल्ली वाले शबद गायन कर रांची की साध संगत को निहाल करेंगे। दीवानों की समाप्ति के बाद गुरु का अटूट लंगर चलाया जाएगा।

कृष्णा नगर कॉलोनी गुरुद्वारा से 24 से शुरू होगी प्रभातफेरी : गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा की ओर से 24 दिसंबर से प्रभात फेरी की शुरुआत होगी। रोजाना सुबह 5:45 बजे प्रभातफेरी निकाली जाएगी, जो गुरुद्वारा से शुरू होकर कृष्णा नगर कॉलोनी की विभिन्न गलियों का भ्रमण कर वापस गुरुद्वारा पहुंच कर समाप्त होगी। प्रभातफेरी का समापन 31 दिसंबर को होगा। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने शनिवार को बताया कि नव वर्ष के आगमन की खुशी में एक जनवरी को सुबह 8 से 10 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा। श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज का प्रकाश पर्व छह जनवरी को मनाया जाएगा।

रांची के ऑड्रे हाउस में मेरा टीवी फिल्म फेस्टिवल का शानदार आगाज

रांची, एजेंसी। रांची के ऑड्रे हाउस में शुक्रवार को ग्रेट डिजाइंस द्वारा आयोजित मेरा टीवी फिल्म फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ हुआ। इस तीन दिवसीय समारोह में झारखंड के स्थानीय लोक कलाकारों के पारंपरिक प्रदर्शन ने समारोह में चार चांद लगा दिये। कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित लोक कलाकार मधुर मंसूरी हंसमुख विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डायरेक्टरेट ऑफ़ टूरिज्म अंजली यादव भी उपस्थित रहीं।

फिल्मों की स्क्रीनिंग और मास्टरक्लास : फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन झारखंड की क्षेत्रीय भाषाओं के अतिरिक्त, देश के विभिन्न क्षेत्रों से आयी शॉर्ट फिल्म, मोबाइल फिल्म व डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की स्क्रीनिंग की गयी। इसके अलावा, झारखंड के फिल्ममेकर्स को फिल्म मेकिंग की बारीकियों से संबंधित जानकारी देने के लिए विशेष मास्टर क्लास सेशन का आयोजन किया गया। कुसुम, कुमकुम, जैसे टीवी सीरियल्स और बंगाल 1947 जैसी कलात्मक फिल्मों के लेखक आकाशादित्य लामा ने स्क्रीनराइटिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रक्तांचल, धारावी बैंक और इंदौरी इश्क जैसी वेब सीरीज के सिनेमेटोग्राफर विजय मिश्रा ने सिनेमेटोग्राफी के गुर सिखाये।

दूसरे और तीसरे दिन का कार्यक्रम : फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन भी फ़िल्मों की स्क्रीनिंग के अलावा, फिल्म से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। जिसमें रक्तांचल, रफूचक्कर वेब सीरीज के निर्देशक रीतम श्रीवास्तव निर्देशनकी क्लास लेंगे।जबकि जनहित में जारी के एडिटर जयंत वर्मा एडिटिंग क्लास लेंगे। तीन दिवसीय इस फेस्टिवल का समापन के दिन रविवार को झारखंड में फ़िल्मों के विकास से संबंधित एक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया जाएगा।

इस पैनल डिस्कशन में जानी मानी फिल्मी हस्तियों विशाल वर्मा, सतीश मुंडा, तथागत भट्टाचार्जी, अनिल दुबे, शेख दाऊद के अलावा सेंट्रल यूनिवर्सिटी, रांची के प्रोफ़ेसर देवव्रत एवं करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर से डॉ नेहा तिवारी हिस्सा लेंगे। इसके बाद पुरस्कार वितरण, सम्मान समारोह व धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया जायेगा।

सीसीएल में अंतर कंपनी वालीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन

रांची । सीसीएल द्वारा सीआईएल अंतर कंपनी वालीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन गांधी नगर क्रीड़ांगन, राँची में दिनांक 22.12.2024 से 24.12.2024 तक किया जा रहा है । इस प्रतियोगिता में सीआईएल के आनुषंगिक कम्पनियाँ एवं SCCL, (Singareni, Telengana) की टीमें भाग ले रही है । इस प्रतियोगिता के सारे मैच दूधिया रोशनी में गांधी नगर क्रीड़ांगन, राँची में आयोजित किए जायेंगे। इस प्रतियोगिता के तकनीकी संचालन झारखंड वालीबॉल संघ के नेतृत्व में किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह दिनांक 22.12.2024 समय 6:00 (संध्या) को किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि सीसीएल के श्री हरीश दुहान, निदेशक (तकनीकीझसंचालन), एवं श्री पंकज कुमार, (मुख्य सतर्कता अधिकारी) होंगे ।

सीआईएल अंतर कंपनी वालीबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह दिनांक 24.12.2024 को किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि श्री निलेंदु कुमार सिंह, अध्यक्ष सह - प्रबंध निदेशक, सीसीएल होंगे ।

डीआईजी अनूप बिरथरे ने सिविल कोर्ट का का किया औचक निरीक्षण

रांची । डीआईजी अनूप बिरथरे ने शनिवार को रांची सिविल कोर्ट का औचक निरीक्षण किया. डीआईजी दोपहर में अचानक सिविल कोर्ट पहुंचे और सुरक्षा इंतजामों का मुआयना करने लगे. जैसे ही कोर्ट सुरक्षा प्रभारी और दूसरे पुलिसकर्मियों को इसकी सूचना मिली, वैसे ही वे फौरन डीआईजी के पास पहुंचे. अपने निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने कोर्ट रूम से लेकर सिविल कोर्ट के बाहरी सरंचना का भी जायजा लिया. सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को बुलाकर उनसे हर चीज की जानकारी ली. सिविल कोर्ट में तैनात सुरक्षा कर्मियों को जो सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं, उनकी जांच भी डीआईजी के द्वारा की गई. इस दौरान सुरक्षा को लेकर कई खामियां डीआईजी ने पकड़ी है, जिसे दूर करने का निर्देश दिया गया है.

वन नेशन वन इलेक्शन बिल को लेकर संयुक्त संसदीय समिति में झारखंड के दो सांसद शामिल

रांची। वन नेशन वन इलेक्शन बिल संयुक्त संसदीय कमेटी को भेजा गया है। इस कमेटी में देशभर के 22 सांसदों को शामिल किया गया है, जिनमें 13 सांसद राज्यसभा से लिए गए हैं। संयुक्त संसदीय कमेटी में पलामू सांसद विष्णुदयाल राम और लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत को शामिल किया गया है। पलामू संसदीय सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। वहीं, लोहरदगा संसदीय सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। संयुक्त संसदीय कमेटी द्वारा एक रिपोर्ट तैयार किया जाएगा, इसके बाद पूरे मामले में पार्लियामेंट को रिपोर्ट सौंपेगी। रिपोर्ट के आधार पर वन नेशन वन इलेक्शन बिल पर निर्णय लिया जाएगा। सांसद विष्णुदयाल राम ने बताया कि ज्वाइंट पार्लियामेंट कमेटी वन नेशन वन इलेक्शन बिल पर चर्चा करेगी और एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके बाद इस रिपोर्ट को संसद को सौंप दिया जाएगा। सांसद विष्णुदयाल राम रविवार को पलामू लौट रहे हैं। उन्होंने कमेटी में शामिल करने के प्रति देश के प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति आभार व्यक्त किया है। विष्णुदयाल राम को ज्वाइंट पार्लियामेंट कमेटी में शामिल किए जाने के बाद पलामू में खुशी का माहौल है।

इधर, भाजपा नेताओं का कहना है कि यह गौरवपूर्ण है कि पलामू को संयुक्त संसदीय कमेटी में जगह मिली है। वन नेशन वन इलेक्शन बिल देश के लिए काफी महत्वपूर्ण है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित तिवारी का कहना है कि यह गौरवपूर्ण है। वे प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। पलामू का संविधान के निर्माण में भी योगदान रहा है। संविधान निर्माण में भी पलामू के दो सदस्यों को शामिल किया गया था। संविधान सभा में पलामू के यदुवंश सहाय और अमियो कुमार घोष शामिल थे।

15 अगस्त 2025 तक हर हाल में निर्माण कार्य पूरा करें : अजय नाथ झा

आदिवासी कल्याण आयुक्त ने रांची के पिछड़ी जाति बालिका आवासीय विद्यालय के छात्रावास निर्माण के कार्य, बुंडू में कल्याण गुरुकुल की महिला प्रशिक्षुओं को दी जा रही प्रशिक्षण एवं बुंडू स्थित बिरसा मुंडा डी०ए०वी० आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया

रांची

: आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को रांची के पिछड़ी जाति बालिका आवासीय विद्यालय के छात्रावास निर्माण के कार्य, बुंडू में कल्याण गुरुकुल की महिला प्रशिक्षुओं को दी जा रही प्रशिक्षण एवं बुंडू में बिरसा मुंडा डी०ए०वी० आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया।

श्री झा ने अध्ययनरत छात्रों को दी जाने वाली भोजन की शुद्धता एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने भंडार गृह का निरीक्षण करते हुए खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को निर्देश दिया कि बच्चों की पढ़ाई, विद्यालय परिसर की सफाई एवं बच्चों को मिलने वाली सुविधा में कोई कोताही न बरते। एसटी, एससी बच्चे अपने घरों से निकलकर अच्छी शिक्षा

प्राप्त करने आवासीय विद्यालयों में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं इसलिए बच्चों को अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करायें साथ ही बच्चों को यहां पर किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

ज्ञातव्य है कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री श्री चमरा लिण्डा ने कल्याण के आदिवासी कल्याण आयुक्त सहित क्षेत्रीय अधिकारियों को शुक्रवार एवं शनिवार के दिन क्षेत्र में रहने और विभाग की योजनाएं, आवासीय विद्यालय और छात्रावासों का स्वयं निरीक्षण करनेक निर्देश दिया है।

- **15 अगस्त 2025 तक निर्माण कार्य पूरा करें**

आदिवासी कल्याण आयुक्त श्री अजय नाथ झा ने निरीक्षण के दौरान रांची में बन रहे पिछड़ी जाति बालिका आवासीय विद्यालय के छात्रावास निर्माण कार्य हरहाल में 15 अगस्त 2025 तक पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द बालिकाओं को नए छात्रावास में शिफ्ट किया जा सके इस निमित्त निर्माण कार्य शीघ्र पू-रा करें। उन्होंने कहा कि बालिका सुरक्षा के लिए छात्रवास निर्माण कार्य के दौरान महिला होम गार्ड की तैनाती करें। कार्य की गुणवत्ता में कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि रांची प्रोजेक्ट डायरेक्टर के पास आवंटन उपलब्ध है अतएव निर्माण कार्य दिन रात जारी रखें।

- **बुंडू में संचालित कल्याण गुरुकुल आदर्श**

आदिवासी कल्याण आयुक्त ने कहा कि प्रेझा फाउंडेशन के बुंडू कल्याण गुरुकुल का प्रशिक्षण, अनुशासन और साफ़ सफ़ाई अनुकरणीय एवं आदर्श है। इस संस्थान में प्रशिक्षण लेने वाले महिला प्रशिक्षुओं में सीखने की ललक प्रभावित करती है। इस दौरान विद्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही एक महिला ने आदिवासी कल्याण आयुक्त से कहा कि मुझे अपने लिए नहीं अपने गांव को आगे बढ़ाने के लिए सीखना है और आगे

बढ़ना है।

उन्होंने विगत दिनों डी०ए०वी० ग्रुप की राष्ट्रीय खेल की महत्वपूर्ण स्पर्धाओं में गोल्ड और रजत मेडल इस विद्यालय को हासिल हुआ है इसके लिए मैं अपनी ओर से बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। मौके पर रांची आई०टी०डी०ए० के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री संजय कुमार भगत उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना में गड़बड़ी

पाकुड़ : पाकुड़ जिला के अंतर्गत दादपुर पंचायत के वी एल ई मिथुन कुमार महतो के द्वारा मैया सम्मान योजना में बड़ी गड़बड़ी की गई है। जमशेदपुर पंचायत का मैया सम्मान योजना का फॉर्म ऑनलाइन किया था, लाभुक का नाम - जोबा टुडू पति - बिमल मुर्मू जिसका गांव - टोला मलयपुर पंचायत - जमशेदपुर जिला - पाकुड़ के निवासी है। उक्त लाभुक ने बताया कि फॉर्म में ऑनलाइन करते समय लाभुक का अकाउंट नंबर मैया सम्मान योजना फॉर्म में वह ना चढ़ा कर वी एल ई ने अपना अकाउंट ऐड कर दिया था। जब लाभुक को मैया सम्मान योजना राशि प्राप्त नहीं हुआ, तब लाभुक फिर वी एल ई के पास गया और पूछा कि मेरा अकाउंट में मैया सम्मान योजना की राशि आज तक क्यों नहीं आए । तो वी एल ई ने कहा कि अंचल जाइए और पता लगाए यहां से पता नहीं लगेगा।

तब जाकर लाभुक अंचल जाकर पता लगाई। तब यह पता चला कि मेरा अकाउंट तो यह नहीं है यह तो दूसरा का अकाउंट है। तब लाभुक ने अंचल से आकर जिस वी एल ई के पास ऑनलाइन किया था। उससे पूछा इसमें मेरा अकाउंट ना जोड़कर आप अपना अकाउंट कैसे जोड़ दिए। वी एल ई ने कहा कि गलती से हो गया था जो सुधार हो जाएगा । जबकि कि चार महीना की मैया सम्मान योजना का पैसा भी उक्त वी एल ई द्वारा दिए गए खाता में आया है, अब ना जाने ऐसा और कितना लाभुक होगा, ये तो जांच की विषय है अगर जांच हो पाया तो गरीब को इंसाफ और दूध का दूध पानी -का पानी हो जाएगा। जब संवाददाता ने उक्त वी एल ई से पूछा तो उन्होंने कहा कि गलती से हो गया है सुधार हो जाएगा।

पेपर लीक करने वाले संगठित अपराधीक गिरोहों का डाटाबेस बनाये झारखण्ड पुलिस : विजय शंकर नायक

रांची । आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एंव राज्य के पुलिस महानिदेशक, झारखंड को एक पत्र लिख कर राज्य की परीक्षाओं में पेपर लीक करवाने वाले गिरोहों की पहचान कर उनका डाटाबेस तैयार करने की के लिए आग्रह किया है। अपने पत्र में इन्होंने कहा है कि कि राज्य निर्माण के बाद जितने भी जेपीएससी/ जेएसएससी के माध्यम से परीक्षा लीं गईं उसमे बराबर पेपर लिक की घटना हुई जिससे राज्य के छात्र, युवा,नौजवानो का भविष्य खतरे मे पड़ा रहा और सरकार की प्रतिष्ठा भी धूमिल एंव झारखंड राज्य कलंकित हुआ । फ्रेश परिक्षा नही होने के कारण राज्य मे दिन प्रतिदिन छात्र, युवा,बेरोजगार नौजवानो का आक्रोश आये दिन आन्दोलन के माध्यम से निकाल रहे है ।

नायक ने आगे कहा कि मंच का मानना है कि राज्य सरकार पेपर लीक करने वाले संगठीत अपराधिक गिरोहों का एक वृहद डाटाबेस झारखंड पुलिस की आर्थिक अपराध ईकाई के माध्यम से बनाने की दिशा मे सकरात्मक ठोस पहल होनी चाहिए, ताकि राज्य के युवाओं का भविष्य अंधकार में जाने से बचाया जा सके।

स्कूली छात्राओं से छेडखानी के आरोपी को पनाह देने वाले एक गिरफ्तार

राँची के कोतवाली पुलिस ने मो० जसीम, पे० -मो० मुस्लिम पता- नाला रोड, हिंदपीढ़ी, राँची को कन्या स्कूल अपर बाजार, हिन्दपीढ़ी के आते -जाते छात्राओं से छेड़खानी करने वाले आरोपी मो०फिरोज अली को पनाह/ छिपने में सहयोग करने के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। मो० फिरोज अली को पनाह देने वाले लोअर बाजार के पार्षद एवं अन्य लोग को चिन्हित कर लिया गया है। उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जायेगी।

सुविचार

कभी-कभी बहुत छोटे-छोटे निर्णय ही हमारे जीवन को हमेशा के लिए बदल देते है।

ट्वीट

आज जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अजमेर रोड पर हुई हृदय विदारक दुर्घटना में घायल हुए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर मरीजों का कुशलक्षेम पूछा तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

-दीया कुमारी

नीमराना प्रवास के दौरान रीको औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों के साथ बैठक ली। इस अवसर पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अनुसरण में औद्योगिक विकासके विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

बेटा

गोविंद उपाध्याय

जब से फोन आया था। उसका मन काफी बेचैन था। हालाँकि पत्नी इस समाचार के बाद से ही बेहद उत्साहित थी। पत्नी ने अपनी डोलची तैयार करना शुरू कर दिया था। वह पत्नी की तरफ देखने लगा। उसके साँवले चेहरे पर इस समय गजब की चमक थी। माथे और गालों पर उग आयी झुर्रियाँ उम्र के तीसरे पड़ाव की तरफ इशारा कर रही थी। उसका ध्यान बार-बार फोन की तरफ जा रहा था। अभी घंटी बजेगी और वो दोनों चल देंगे। आरुषी रसोई में उनके लिए नाश्ता बनाने में व्यस्त थी। रोज की तरह सुबह उठकर वह अखबार के साथ चाय की चुस्कियाँ ले रहा था कि तभी शांतनु का फोन आया - पापाजी मानुषी आधी रात के बाद से ही तकलीफ में है। डाक्टर साहिबा से बात हुई तो उन्होंने कहा कि घबराने की बात नहीं है। आपका केस बिल्कुल नारमल है। सुबह बताती हूँ कि किस नर्सिंग होम में भर्ती कराना है। आप टेंशन न लें शुरुआत में ऐसा ही होता है...।

उसके बाद से ही मन में घबराहट होने लगी थी और वह ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाया। अब बस उसे शांतनु के फोन का इंतजार था कि डाक्टर साहिबा किस नर्सिंग होम को रिकमंड कर रही हैं।

मानुषी के शादी का यह दूसरा वर्ष था। वह छब्बीस साल की होने वाली थी। बस बारह दिन शेष बचा था उसके जन्म दिन का। उसे मानुषी के विवाह के लिए बहुत ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा था। सिर्फ तीन जगह उसके रिश्ते की बात चली थी। दो जगह तो शुरुआती दौर की औपचारिकताओं के बाद ही बात खत्म हो गई थी। तीसरी जगह रिश्ता पक्का हो गया। शांतनु एम.टेक. के बाद मल्टीनेशनल में इंजीनियर थे। सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ सेलरी पैकेज भी अच्छा था। सबसे अच्छी बात यह थी कि वह निहायत विनम्र और सभी प्रकार व्यसनों से दूर थे। शायद यही कारण था कि उसने अपने हैसियत से ज्यादा खर्च कर दिया था। जो लड़के वालों की माँग थी, उसके अतिरिक्त भी उसने बहुत कुछ दिया...। इसके बावजूद जैसा कि होता है... लड़के वालों को हमेशा कम ही लगता है। मानुषी की सास को भी शिकायत रहती कि इस शादी में उनके आशा के अनुरूप दान-दहेज नहीं मिल पाया। शुरू में मानुषी जब भी उसे बताती, विचलित हो जाता...। उसके ऊपर तीन लाख का कर्ज था। कुछ अपने विभाग से ले रखा था और कुछ इष्ट-मित्रों से। जिसे चुकाने की चिंता हमेशा बनी रहती। कमाई का एक बड़ा हिस्सा उसी में निकल जाता। बेटी के लिए कुछ न कर पाने का अपराध-बोध भी था। शांतनु भी कहीं न कहीं अपने परिवार के साथ खड़े दिखाई देते थे।

मानुषी से तीन साल छोटी आरुषी थी। वह अभी उसके विवाह के बारे में तो कुछ सोच पाने की स्थिति में ही नहीं था। मानुषी जब पैदा हुई थी, उसके कुछ दिनों पहले ही उसे नौकरी मिली थी। ऐसे में अम्मा ने उसके पैदा होने पर उत्साह ही दिखाया था - 'लक्ष्मी है भाई, आने के पहले पिता को सरकारी नौकरी मिल गई। बेचारा कितना परेशान रहता था। छोटी-मोटी नौकरी मिलती भी तो मेहनत ज्यादा थी और पैसा कम...। पहला फल है। क्या बेटा...? क्या बेटी...?'

मानुषी रुई के फाहे की तरह थी। गोद में उठाते समय उसके भीतर पिता होने का एक अजीब उल्लास था। वह अपनी छोटी आँखों से उसकी तरफ ताक रही थी और वह उल्लास से भरा हुआ था। उसने पत्नी की तरफ देखा। माँ बनने के गौरव उसके चेहरा भी चमक उठा था।

लेकिन आरुषी के पैदा होने पर सब कुछ विपरीत हो गया था। अम्मा की आँखों में आँसू आ गए थे - 'किस तरह मैं तीन बेटियों की शादी निपटाई हूँ, मेरी आत्मा जानती है। एक तो पहले से ही थी अब फिर लड़की...?'

पत्नी ने भी बहुत कातर नजरों से देखा था उसे। जैसे उससे कोई बड़ा गुनाह हो गया हो। उसके सूखे और पपड़िआए होंठ काँप रहे थे। पत्नी ने उसका हाथ जोर से पकड़ा था। पत्नी उससे सांत्वना चाहती थी। वह मुस्कराने की कोशिश किया - 'क्या फर्क पड़ता है? जमाना बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।' उसकी बातों को सुनने के बावजूद भी पत्नी की आँखों में संदेह था कि वह यह बाते सिर्फ उसका दिल रखने क लिए कह रहा है... क्योंकि हम दोनों ही बेटे की कामना कर रहे थे।

आरुषी माँ की तरह साँवली थी पर उसके नाक नक्श मानुषी से ज्यादा सुंदर थे। लेकिन इतने सालों बाद भी कुछ नहीं बदला था। सभी कुछ यथावत था। मानुषी की शादी के बाद से तो वह काफी तनाव में आ गया था। जो लोग देखने में बहुत सीधे और सरल लगते थे। अचानक उनके चेहरों से नकाब उतरने लगे। शुरुआती छह महीनों में मानुषी जो भी बताती वह सब उसने किस्से-कहानी में ही पढ़ा था। वह घबरा जाता। आए दिन अखबारों में छपने वाली दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना की खबरें उसे और विचलित करती। पत्नी सांत्वना देती - 'आप बिना मतलब ही इतना घबरा जाते हैं। ऐसा कुछ नहीं होगा। सामान्य लोग हैं। जितना मिल सकता है लड़की वालों से ले लो की सोच तो हमारे समाज में है ही...। आपकी लड़की को इसके लिए कोई शारीरिक यातना तो देते नहीं है। बस जुबान से उलाहना ही तो देते हैं। यह तो हर लड़के वाले करते हैं। कुछ दिन चलेगा, फिए सब कुछ सामान्य हो जाएगा। क्या आप की माता जी मुझसे नहीं बोलती थी? तब मोबाइल और फोन तो था नहीं जरा-जरा सी बात मायके तक पहुँती। अब तो दाल के तड़के में क्या-क्या डाला है उसकी खबर भी मायके में तड़के को दाल में डालने से पहले पहुँचाने का प्रचलन है। यह सब बहुत सामान्य बातें हैं। आप लड़की के बाप हैं। धैर्य रखना सीखिए...।'

मानुषी शुरू से इस शादी का विरोध कर रही थी। हालाँकि इसके पीछे कोई ठोस आधार नहीं था। तब उसे लगा था कि हर लड़की पिता की सरपरस्ती से निकलने पर ऐसा करती है। लेकिन जब मानुषी के फोन आते तो वह स्वयं को अपराधी महसूस करता। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य होने लगा था। शांतनु का ट्रांसफर इसी शहर में हो गया था। बेटी के पास आ जाने पर उसे थोड़ा सुकून मिला। शहर एक होने के बावजूद भी वो शांतनु से बीस किलोमीटर की दूरी पर था। बीच में ट्रैफिक और शहर की खस्ता हालत सड़कें इस दूरी को और कष्टमय बना देती।

इसके बावजूद लगभग हर छुट्टी अब मानुषी उनके साथ बिताती। वह उम्मीद से थी। शांतनु के लिए यह शहर अपरचित था। इसलिए उसका झुकाव भी उसकी तरफ होने लगा था। मानुषी भी अब आजाद थी। यहाँ संयुक्त परिवार की पाबंदियाँ नहीं थी। अब वह मानुषी की तरफ से चिंता मुक्त हो गया था। वह स्वस्थ और प्रफुल्लित नजर आती। शांतनु उसका पूरा ख्याल रखता। डाक्टर से समय-समय से चेकअप कराना। दवाइयों और खाने-पीने पर ध्यान रखना। परिवार के हर सदस्य को नए मेहमान का बेसब्री से इंतजार था।

सभी चाहते थे कि बेटा ही पैदा हो। मानुषी कहती - 'मम्मी यदि लड़का हो गया तो मुझे दुबारा इस झंझट में नहीं पड़ना होगा। और यदि लड़की हुई तो पुत्र की लालसा में एक बार फिर मुझे यह बोझ उठाना पड़ेगा। वैसे भी मेरे परिवार में लड़कियाँ बहुत है।'

शांतनु इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते। हाँ! उनके परिवार के अन्य लोगों की अपेक्षा जरूर थी कि मानुषी को बेटा हो। शायद उसकी भी यही इच्छा थी।

पिछले दो महीने में मानुषी से जब मिलता वह दयनीय सी दिखती। उसे उठने बैठने में भी दिक्कत होने लगी थी। वह ईश्वर से प्रार्थना करता कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाए। शायद यही कारण था कि जब से शांतनु ने फोन किया था, उसका दिल अंदर ही अंदर घबड़ा रहा था। मानुषी की सास भी दो सप्ताह पहले उसकी देख-भाल के लिए आ गई थी।

पत्नी पास ही सोफे पर आ कर बैठ गई थी। उसे देखकर मुस्कराई - 'अब तो आप नाना बनने वाले हैं। फिर काहे इतना उदास बैठे हैं?'

वह कुछ कहने के लिए मुँह खोलता इसके पहले ही मोबाइल बजने लगा। शांतनु का ही फोन था - 'पापा जी... अहिल्या नर्सिंग होम में हैं हम लोग। सब ठीक है...। घबराने वाली कोई बात नहीं है। नार्मल डिलवरी संभव है...।'

वह पत्नी को पूरी बात बताया और घर से बाहर निकल पड़ा। घबड़ाहट और बढ़ गई थी। मोटरसाइकिल चलाने का साहस नहीं हुआ। आरुषी ने भी मना किया। वह पत्नी के साथ कुछ कदम दूर आटो स्टैंड की तरफ चल दिया।

पत्नी शांत थी। वह हमेशा सकारात्मक सोचती है। शायद इस समय भी ऐसा ही सोच रही थी। वह पिछले तीन महीने से आने वाले मेहमान के बारे में सोच-सोच कर प्रफुल्लित होती रही थी। उसके पैर के पास ही डोलची रखी हुई थी। उसमें क्या है? वह नहीं जानता। न ही जानने की कोशिश की थी।

अचानक आटो रुक गया। वह बाहर सड़क की तरफ देख रहा था। रेलवे क्रासिंग था। कोई ट्रेन आने वाली थी। दोनों तरफ जाम लगा था। यह जून का दूसरा सप्ताह था। दस बजने वाले थे। हवा गरम होने लगी थी। उसने शांतनु का मोबाइल लगाया। मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। उसने कई प्रयास किए किंतु सफलता नहीं मिली। अब वह भुनभुना रहा था। पत्नी ने उसका हाथ दबा कर सांत्वना देने का प्रयास किया।

ट्रेन सामने से गुजर गई थी। एक बार फिर ट्रैफिक में जान आ गई और वह धीरे-धीरे रेंगने लगी। आटो वाला दो-तीन जगह पूछने के बाद उसे एक गली के मुहाने पर ला कर खड़ा कर दिया। एक अधबनी इमारत थी। जिसके ऊपर नीले रंग का नर्सिंग होम का साइन बोर्ड लगा था। एक मुर्झाया सा अधेड़ आदमी इमारत के गेट पर तंबाकू रगड़ रहा था। वह आटो से उतरने के बाद जैसे ही आगे बढ़ा अधेड़ आदमी में अचानक फुर्ती आ गई। वह सामने की केबिन में घुसा और उससे तमाम जानकारी लेने लगा। आदमी ने रजिस्टर में उसका नाम दर्ज किया और हस्ताक्षर के लिए रजिस्टर सामने बढ़ा दिया।

नीचे हाल में शांतनु मिल गए। वह किसी से मोबाइल पर बात करने में व्यस्त थे। उसे देखते ही वह फौरन बात करना बंद करके पास आ गए - 'आइए पापा जी... बधाई हो... आप नाना बन गए। बस अभी उन्हें रूम में शिफ्ट करवा कर आ रहा हूँ।' 'सब ठीक तो है न...। मानुषी कैसी है और बच्चा...?' 'हाँ... हाँ... सब ठीक है। आइए...।' वह शांतनु के साथ हो लिया। पत्नी उसके पीछे थी। उसकी डोलची अब शांतनु के हाथ में थी। इमारत बाहर से देखने में जितनी अधूरी दिखाई दे रही। अंदर से उतनी बुरी नहीं थी। एक प्राइवेट रूम के सामने शांतनु रुक गए। उन्होंने दरवाजे को धक्का दिया और मानुषी मेरे सामने थी। उसके बगल में ही रुई के फाहे जैसी छोटी सी जान इस दुनिया को टुकुर-टुकर देख रहा। मैं उसे छूना चाहता था। अचानक याद आया - 'क्या है? बेटा या बेटी...?'

शांतनु धीरे से बोलें - 'बेटी...' कमरे में कुछ देर के लिए खामोशी छा गई। उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा - 'अरे पापा जी समय बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।' मुझे यह शब्द बेहद जाने-पहचाने से लग रहे थे।

- 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

गुरुत्वाकर्षण

आदमी मिट्टी के घर में रहता था, खेती करता था। अनाज खुद उगाता, शाक-भाजी उगाता, पेड़-पौधे लगाता। कुआँ खोदता, कुएँ की गाद खुद निकालता। गाय-बैल पालता, हल जोता करता, बैल को अपने बच्चों-सा प्यार देता। घास काटकर लाता, गाय को खिलाता, गाय का दूध खुद निकालता, गाय को माँ-सा मान देता। माटी की खूबियाँ समझता, माटी से अपना घर खुद बनाता-बाँधता। सूरज उगने से लेकर सूरज डूबने तक प्रकृति के अनुरूप आदमी की चर्या चलती।

आदमी प्रकृति से जुड़ा था। सृष्टि के हर जीव की तरह अपना हर क्रिया-कलाप खुद करता। उसके रोम-रोम में प्रकृति अंतर्निहित थी। वह फूल, खुशबू, काँटे, पत्ते, चूहे, बिच्छू, साँप, गर्मी, सर्दी, बारिश सबसे परिचित था, सबसे सीधे रू-ब-रू होता। प्राणियों के सह अस्तित्व का उसे भान था। साथ ही वह साहसी था, ज़रूरत पड़ने पर हिंसक प्राणियों से दो-दो हाथ भी करता।

उसने उस जमाने में अंकुर का उगना, धरती से बाहर आना देखा था और स्त्रियों का जापा, गर्भस्थ शिशु का जन्म उसी प्राकृतिक सहजता से होता था। आदमी ने चरण उटाए। वह फ्लैटों में रहने लगा। फ्लैट यानी न ज़मीन पर रहा न आसमान का हो सका। अब आदमियों की बड़ी आबादी एक बीज भी उगाना नहीं जानती। प्रसव अस्पतालों के हवाले है। ज्यादातर आबादी ने सूरज उगने के विहंगम दृश्य से खुद को वंचित कर लिया है। बूढ़ी गाय और जवान बैल बूचड़खाने के रॉ मटेरियल हो चले, माटी एलर्जी का सबसे बड़ा कारण घोषित हो चुकी। अपना घर खुद बनाना-थापना तो अकल्पनीय, एक कील टांगने के लिए भी कथित विशेषज्ञ बुलाये जाने लगे हैं। अपने इनर सोर्स को भूलकर आदमी आउटसोर्स का ज़रिया बन गया है। शरीर का पसीना बहाना पिछड़ेपन की निशानी बन चुका। एअर कंडिशंड आदमी नेचर की कंडिशनिंग करने लगा है।

श्रम को शर्म ने विस्थापित कर दिया है। कुछ घंटे यंत्रवत चाकरी से शुरू करनेवाला आदमी शनैः-शनैः यंत्र की ही चाकरी करने लगा है।

आदमी डरपोक हो चला है। अब वह तिलचट्टे से भी डरता है। मेंढ़क देखकर उसकी चीख निकल आती है। आदमी से आतंकित चूहा यहाँ-वहाँ जितना बेतहाशा भागता है, उससे अधिक चूहे से घबराया भयभीत आदमी उछलकूद करता है। साँप का दिख जाना अब आदमी के जीवन की सबसे खतरनाक दुर्घटना है।

लम्बा होना, ऊँचा होना नहीं होता। यात्रा आकाश की ओर है, केवल इस आधार पर उर्ध्वगामी नहीं कही जा सकती। त्रिशंकु आदमी आसमान को उम्मीद से ताक रहा है। आदमी ऊपर उठेगा या औंधे मुँह गिरेगा, अपने इस प्रश्न पर खुद हँसी आ रही है। आकाश का आकर्षण मिथक हो सकता है पर गुरुत्वाकर्षण तो इत्थमभूत है। सेब हो, पत्ता, नारियल या तारा, टूटकर गिरना तो ज़मीन पर ही पड़ता है।

बोध कथा

चुहिया के स्वयंवर

गंगा नदी के तट पर एक धर्मशाला थी। वहां एक गुरु जी रहा करते थे। वह दिनभर तप और ध्यान में लीन होकर अपना जीवन यापन करते थे। एक दिन जब गुरु जी नदी में नहा रहे थे, उसी समय एक बाज अपने पंजे में एक चुहिया लेकर उड़ा जा रहा था। जब बाज गुरु जी के ऊपर से निकला तो, चुहिया अचानक बाज के पंजे से फिसलकर गुरु जी की अंजुली में आकर गिर गई। गुरु जी ने सोचा कि अगर उन्होंने चुहिया को ऐसे ही छोड़ दिया, तो बाज उसे खा जाएगा। इसलिए, उन्होंने चुहिया को अकेला नहीं छोड़ा और उसे पास के बरगद के पेड़ के नीचे रख दिया और खुद को शुद्ध करने के लिए फिर से नहाने के लिए नदी में चले गए।

नहाने के बाद गुरु जी ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके चुहिया को एक छोटी लड़की में बदल दिया और अपने साथ आश्रम ले गए। गुरु जी ने आश्रम पहुंचकर सारी बात अपनी पत्नी को बताई और कहा कि हमारी कोई संतान नहीं है, इसलिए इसे ईश्वर का वरदान समझ कर स्वीकार करो और इसका अच्छे से लालन-पालन करो।

फिर उस लड़की ने स्वयं गुरु जी की देखरेख में धर्मशाला में पढ़ना-लिखना शुरू कर दिया। लड़की पढ़ने में बहुत होशियार थी। यह देखकर गुरु जी और उनकी पत्नी को अपनी बेट पर बहुत गर्व होता था। एक दिन गुरु जी को उनकी पत्नी ने बताया कि उनकी लड़की विवाह योग्य हो गई है। तब गुरु जी ने कहा कि यह विशेष बच्ची एक विशेष पति की हकदार है।

अगली सुबह अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए गुरु जी ने सूर्य देव की प्रार्थना की और पूछा हे सूर्यदेव, क्या आप मेरी बेटी के साथ विवाह करेंगे? यह सुनकर लड़की बोली पिताजी, सूर्य देव पूरी दुनिया को रोशन करते हैं, लेकिन वह असहनीय रूप से गर्म और उग्र स्वभाव के हैं। मैं उनसे शादी नहीं कर सकती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने आश्चर्य से पूछा, सूर्य देव से बेहतर कौन हो सकता है? इस पर सूर्य देव ने सलाह दी, आप बादलों के राजा से बात कर सकते हैं। वह मुझसे बेहतर हैं, क्योंकि वह मुझे और मेरे प्रकाश को ढक सकते हैं। इसके बाद, गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, बादलों के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी को स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि अगर बेटी की स्वीकृति हो, तो आप उससे शादी करें।

इस पर बेटी ने कहा, पिताजी, बादलों का राजा काला, गीला और बहुत ठंडा होता है। मैं उससे शादी नहीं करना चाहती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने फिर से आश्चर्य में पूछा, भला बादलों के राजा से भी बेहतर कौन हो सकता है? बादलों के राजा ने सलाह दी, गुरुजी, आप हवाओं के भगवान वायुदेव से बात करें। वह मुझसे बेहतर हैं, क्योंकि वह मुझे कहीं भी उड़ा कर ले जा सकते हैं। इसके बाद, गुरु जी ने फिर से अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, वायु देव को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी के साथ विवाह स्वीकार करें। अगर वह आपको चुनती है तो। लेकिन बेटी ने वायुदेव से भी विवाह करने से इनकार कर दिया और कहा, पिता जी, वायु देव बहुत तेज हैं। वह अपनी दिशा बदलते रहते हैं। मैं उनसे शादी नहीं कर सकती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी फिर सोचने लगे, वायुदेव से भी बेहतर कौन हो सकता है? इस पर वायु देव ने सलाह दी, आप पहाड़ों के राजा से इस विषय में बात कर सकते हैं। वह मुझसे बेहतर है, क्योंकि वह मुझे बहने से रोक सकते हैं।

इस के बाद गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, पहाड़ों के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी का हाथ स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि अगर वह आपको पसंद करती है, तो आप उससे शादी करें। फिर बेटी ने कहा, पिता, पहाड़ों के राज बहुत कठोर हैं। वह अचल हैं। मैं उससे शादी नहीं करना चाहती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने सोचा, पहाड़ों के राज से भी बेहतर कौन हो सकता है? पहाड़ों के राजा ने सलाह दी, गुरुजी, आप चूहे के राजा से बात करके देखिए। वह मुझसे बेहतर है, क्योंकि वह मुझमें छेद कर सकता है। आखिर में गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए चूहे के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी का हाथ स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि आप उससे शादी करें, अगर वह आपसे शादी करना चाहे। जब बेटी चूहे के राजा से मिली, तो वह खुश होकर शादी के लिए राजी हो गई। गुरु ने अपनी बेटी को एक सुंदर चुहिया के रूप में वापस बदल दिया। इस प्रकार गुरु जी की बेटी चुहिया का स्वयंवर सम्पन्न हुआ।

योगेश कुमार गोयल

श्रीनिवास रामानुजन : संख्याओं के जादूगर

प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को भारत में 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है, जो देश के महान गणितज्ञों में से एक श्रीनिवास रामानुजन को सम्मान देने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। करीब एक दशक पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने चेन्नई में रामानुजन की 125वीं जयंती समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे प्रतिभावान तथा गूढ़ ज्ञान वाले पुरुषों और महिलाओं का जन्म कभी-कभार ही होता है। गणित में रामानुजन के अविस्मरणीय योगदान को याद रखने और सम्मान देने के लिए उसी अवसर पर रामानुजन के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाए जाने का निर्णय लिया गया था।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था।

गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें 'लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था 'रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

वीर गाथा

योगेश कुमार जोशी: बाधाओं, दुर्गम इलाकों और गोलीबारी को पार करते हुए किया महत्त्वपूर्ण चोटी पर कब्जा

लेफ्टिनेंट जनरल योगेश कुमार जोशी का जन्म 5 जनवरी, 1962 को हरियाणा के फरीदाबाद में हुआ था। आरपी जोशी के वीर पुत्र योगेश भारतीय सेना में कई उच्च पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। वे परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, वीर चक्र और सेना पदक से सम्मानित हैं।

योगेश कुमार ने कारगिल युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। इसके अलावा उन्होंने कई सैन्य अभियानों को अंजाम दिया था। उन्हें शुरुआत में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में 'के' स्क्वाड्रन आवंटित किया गया था। इसके बाद उन्हें भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून भेजा गया।

जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब योगेश कुमार जोशी लेफ्टिनेंट कर्नल थे। उन्हें ऑपरेशन विजय के तहत द्रास सेक्टर में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण प्वाइंट 5140 पर कब्जा करने का ज़िम्मा सौंपा गया था।

अपने लक्ष्य को पाने के लिए ले. कर्नल योगेश ने बहुत सूझबूझ से योजना बनाई। उन्होंने हमले से पहले सभी चीजों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। 20 जून, 1999 को जोरदार धावा बोला गया। योगेश अपने साथी जवानों को प्रेरित करते हुए आगे बढ़े।

उधर, पाकिस्तानी फौजी उन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। ले. कर्नल योगेश के नेतृत्व में भारतीय जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। देखते ही देखते भारतीय जवानों ने भारी बाधाओं, दुर्गम इलाकों और दुश्मन की गोलीबारी को पार करते हुए प्वाइंट 5140 की महत्त्वपूर्ण चोटी पर कब्जा कर लिया।

इस दौरान पाकिस्तान के छह फौजियों को भी ढेर कर दिया गया। यह भारत सेना की बहुत बड़ी कामयाबी थी। इसके लिए ले. कर्नल योगेश कुमार जोशी को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे समयानुसार पदोन्नति पाते हुए उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बने। लेफ्टिनेंट जनरल जोशी चीनी भाषा के विशेषज्ञ भी हैं।

उपायुक्त दुमका की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

दुमका।

समाहरणालय सभागार, दुमका में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न टीका करण अभियान सहित अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निदेश दिया।

इस दौरान सिविल सर्जन ने बताया कि पीसी पीएनडीटी एक्ट के तहत जिले में कुल 14 अल्ट्रासाउंड केंद्र पंजीकृत हैं।वर्तमान में 12 अल्ट्रासाउंड केंद्र कार्यरत हैं।उन्होंने बताया कि 3 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं।जिनमें 1 आवेदन को निर्धारित मापदंड का पालन नहीं करने के लिए अस्वीकृत कर दिया गया है।वहीं 2 आवेदन जो सिदो कान्हू मेडिकल हॉस्पिटल रानेश्वर तथा होप हॉस्पिटल दुमका का प्राप्त हुआ है।स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ये दोनों हॉस्पिटल निर्धारित सभी मापदंडों का पालन कर रहे हैं बैठक में उपायुक्त ने निदेश दिया कि एएनसी,गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग की जाय।सीवर एनीमिया के जांच बेहतर ढंग से हो ऐसे मरीजों को चिन्हित करने का कार्य किया जाय।उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार की जाय।कालाजार एवं टीवी मरीजों पर विशेष निगरानी रखी जाए,समय समय पर जरूरी जांच की जाय।

उपायुक्त ने कहा कि छोटी छोटी समस्याओं के लिए मरीजों को परेशान नहीं होना पड़े इसे सुनिश्चित करें।आदिवासी बहुल सुदूरवर्ती वर्ती क्षेत्र के लोगों पर विशेष ध्यान रखी जाए। उनके स्वास्थ्य की जांच कर जरूरी दवाइयां उन्हें उपलब्ध कराई जाए।निदेश दिया कि गोपीकांदर तथा काठीकुंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र में जनता दरबार का आयोजन कर मेडिकल कैम्प जनवरी-2025 में लगाया जाएगा।इस हेतु उन्होंने स्थल का चयन करने का निर्देश दिया है।

न्यूज अपडेट

जिले के सभी शक्ति केंद्रों में आज से भाजपा का सदस्यता अभियान प्रारंभ

जिले के सभी शक्ति केंद्रों में आज (22 दिसंबर) से भाजपा का सदस्यता अभियान प्रारंभ हो रहा है। यह अभियान संगठन को सशक्त और व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। भाजपा जिलाध्यक्ष दुमका गौरवकान्त ने सभी प्रदेश पदाधिकारियों, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश मोर्चा के पदाधिकारी,जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, शक्तिकेंद्र के अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष से आग्रह किया है कि अपने-अपने शक्तिकेंद्र में प्रवास कर वे सदस्यता अभियान का भव्य शुभारंभ सुनिश्चित करें।

इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक नए सदस्य जोड़ने का प्रयास करें और पार्टी के विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं।

- **उन्होंने कहा कि-**

» सभी शक्तिकेंद्रों पर समुचित व्यवस्था और जनसंपर्क सुनिश्चित करें।

» अभियान से जुड़ी सभी गतिविधियों की रिपोर्ट समय पर जिला नेतृत्व को साझा करें।

» संगठन के विस्तार को एक उत्सव के रूप में मनाएं।

इसके लिए उन्होंने हेल्पलाइन नंबर- 8860147147 जारी किया है।

कोरैया आंगनबाड़ी केंद्र में वीर बाल दिवस आयोजित

दुमका। बाल विकास परियोजना दुमका सदर प्रखंड अंतर्गत हेट कोरैया आंगनबाड़ी केंद्र में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी दुमका सदर अमर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम पोषण भी पढ़ाई भी अभियान का ही एक अंग है, जिसके अंतर्गत वीर बाल दिवस सभी आंगनबाड़ी केंद्रों मनाया गया।

इस अवसर पर बच्चों के बीच कई गतिविधियां आयोजित की गई जिसमें चित्रांकन और साहासिक कार्य पर आधारित खेल कूद, साहासिक कहानी वाचन आदि प्रमुख हैं। प्रखंड समन्वयक सुजाता कर्ण ने कहा कि वीर बाल दिवस कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत बच्चों में हिम्मत, हौसला और साहस भरना है, ताकि बचपन से ही बच्चे नीडर और साहसी बन सकें।

इसी क्रम में आंगनबाड़ी सेविका फ्लोरेंस हेम्ब्रम द्वारा साहासिक गतिविधियों पर आधारित हिन्दी और संताली की कहानियां भी सुनाई गई। कार्यक्रम में पोषण सखी निराला बेसरा ने वीर बालक का चित्र बनाकर बच्चों के बीच प्रर्दशित किया और बच्चों को चित्र बनाने के लिए प्रेरित भी किया। कार्यक्रम में केन्द्र की सहायिका एलिजाबेथ सहित कई ग्रामीण महिलाएं भी शामिल हुई।

लायंस क्लब दुमका संप की ओर से आज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दुमका। लायंस क्लब दुमका संप. द्वारा दिन रविवार (22 दिसम्बर) को सुबह 11:00 से संध्या 4:00 वजे तक शिव पहाड़ चौक स्थित भारती अस्पताल में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रानी सोरेन, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ रामकृष्ण झा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर देवव्रत दत्ता, जेनरल फिजिशियन एवं क्रिटिकल केयर डॉ. अल्तमश खान, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रुचि मित्रा, फिजिशियन डॉ. सरीफुल हक द्वारा जरूरतमंद रोगियों का इलाज एवं आधुनिक मशीन के द्वारा जाँच किया जाएगा।

जरूरतमंद रोगियों के बीच निःशुल्क दवा का वितरण भी किया जयेगा। जिन रोगियों की बीमारी का इलाज पूर्व से चल रहा है, वे अपनी जाँच रिपोर्ट लेकर अवशय पहुंचेंगे।

लायन रमण कुमार वर्मा/ जन-संपर्क पदाधिकारी /लायंस क्लब दुमका सं. प. / मो. 9431190136/ 7004025724

उप नगर आयुक्त ने जर्जर मकानों को लेकर की समीक्षा बैठक

देवघर । उप नगर आयुक्त सागरी बराल ने शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में निगम क्षेत्र में जर्जर मकानों को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान कनीय अभियंताओं ने अपने आंवटित वार्ड में जर्जर मकानों का सर्वे रिपोर्ट उप नगर आयुक्त को सौंपा। जिसमें निगम क्षेत्र में जर्जर मकानों की स्थिति से अवगत कराया गया। रिपोर्ट के आधार पर उप नगर आयुक्त ने इन सभी मकान मालिकों को नोटिस निर्गत करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। हालांकि अभी यह सामने नहीं आ सका है कि निगम क्षेत्र में जर्जर मकानों की संख्या कितनी है। लेकिन एक अनुमान के मुताबिक ऐसे दो दर्जन से अधिक जर्जर मकान, जिन्हें तोड़ा जाना अतिआवशयक है। मौके पर सहायक नगर आयुक्त गौरव कुमार, नगर प्रबंधक प्रकाश मिश्रा, सहायक नगर निवेशक विवेकानंद भूईया सहित सभी कनीय अभियंता व अमीन मौजूद थे।

रांगा मोड प्रीमियर लीग सीजन -5 में आइकन खिलाड़ियों की नीलामी कि गई

देवघर। सादर सूचित किया जाता है कि रांगा मोड प्रीमियर लीग सीजन -5 में आइकन खिलाड़ियों की नीलामी गोपाल पैलेस रांगा मोड पर कि गई। इस टूर्नामेंट में इस बार दस टीमें हिस्सा लेगी। हर साल की भाती इस साल भी लगातार 5 वी बार बेमिसाल देवघर कॉलेज मैदान में आयोजन किया जा रहा है। युवा छात्र संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष कुंदन शर्मा ने कहा कि इस टूर्नामेंट से सुदृढ़ इलाके से आने वाले राइजिंग प्लेयर और शहरी क्षेत्र के खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा साथ ही युवा छात्र संगठन हमेशा से समाज के विभिन्न स्थलों में विभिन्न प्रकार का आयोजन कराते रहती है। जिससे कि युवाओं को अवसर प्रदान किया जा सके और उन्हें एक मंच प्रदान किया जा सके जिससे उनकी प्रतिभा को वो पहचान सके साथ ही समाज के लोग भी टूर्नामेंट का आनंद ले सके । रांगा मोड प्रीमियर लीग सीजन-5 में सभी खिलाड़ियों की नीलामी को देवघर कॉलेज ग्राउंड में 23 दिसंबर को होगी। इसके पश्चात टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 5 दिसंबर को खेला जाएगा। मौके पर कुंदन शर्मा, रवि वर्मा नयन राज,कुणाल रंजन, मनीष पांडे, वरुण शर्मा, चुनचुन यादव, टिम्मी,कौशिक,सोनू, प्रेम, विशाल,दिलीप,बबलू, संजीव,रोहित, सिंटू, ओमप्रकाश अन्य मौजूद थे ।

19 से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान

विभिन्न ग्राम व पंचायतों में शिविर के माध्यम से आमजनों की समस्याओं को कराया जा रहा दर्ज

दुमका।

सुशासन सप्ताह- प्रशासन गांव की ओर 2024 अभियान के तहत सभी प्रखंड में विभिन्न ग्रामों/पंचायतों में शिविर के माध्यम से आमजनों की समस्याओं को दर्ज कराया जा रहा है। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान भी किया जा रहा है। 19 से 24 दिसंबर तक सभी प्रखंड में ''सुशासन सप्ताह झ प्रशासन गांव की ओर'' 2024 अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देशय ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन को बढ़ावा देना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आम जनता तक पहुँचाना है।

सुशासन सप्ताह का मुख्य उद्देशय सरकार और जनता के बीच एक सेतु का निर्माण करना है, जिससे जनसेवाओं की सुगमता सुनिश्चित हो सके। सभी ग्रामीणों से अपील भी किया गया है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने अधिकारों व सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें। अभियान के दौरान स्थानीय प्रशासन द्वारा ग्राम स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में राजस्व, समाज कल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं का निपटारा किया जा रहा है। यह अभियान सुशासन को जमीनी स्तर तक पहुँचाने और पारदर्शी एवं प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के मद्देनजर जिले के विभिन्न ग्रामों में शिविर लगाए गए। 24 दिसंबर तक गांव-गांव शिविर लगाकर अधिकारी समस्याओं को निस्तारण कराएंगे। 23 को जिला मुख्यालय में कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा।

डालसा दुमका के तत्वावधान में अनुसंधान पदाधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण सह कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दुमका।

झालसा, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका, संजय कुमार चन्द्धरियावी के आदेशानुसार दिन शनिवार को न्याय सदन दुमका में अनुसंधान / जांच पदाधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण हेतु कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डालसा दुमका के सचिव उत्तम सागर राणा ने आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अनुसंधान पदाधिकारियों को एनडीपीएस, पोक्सो एक्ट, विक्टिम कंपनसेशन, सर्च एंड सीजर इत्यादि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि विधिक सेवा संस्थाओं का मूल कार्य सभी व्यक्तियों, विशेषकर वंचित या हाशिए पर पड़े लोगों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित कराना है। अधिकारी कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने, कानूनी सहायता प्रदान करने और वंचितों को उनके अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि घटना के बाद पीड़ित से मिलने वाले पहले व्यक्ति पुलिसकर्मी होते हैं। जांच अधिकारी न्याय प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उन्हें साक्ष्य एकत्र करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों और पीड़ित के पुनर्वास के लिए कानूनी प्रावधानों का ज्ञान होना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय न केवल दिया जाए बल्कि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निष्पादित हो। वही आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन द्वारा पीड़ितों के पुनर्वास, साक्ष्य संग्रह, पोक्सो एक्ट, एमएसीटी (डार एवं फार) तथा महिलाओं के खिलाफ अपराध के प्रासंगिक प्रावधानों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में दुमका जिले के सभी थानों के अनुसंधान पदाधिकारी उपस्थित थे।

दोस्तों के साथ गया था तारापीठ, सड़क किनारे पाया गया शव, छानबीन में जुटी पुलिस

दुमका।

जिले के शिकारीपाड़ा थानान्तर्गत गणेशपुर के गांव के समीप 20 दिसंबर की देर शाम सड़क किनारे पुलिस ने एक फेंका हुआ शव बरामद किया। शव को देखकर पता चल रहा था कि उसकी हत्या की गई है। शव का सर बुरी तरह कुचला हुआ था। किसी वाहन द्वारा शव को ठिकाने लगाने के उदेशय से उसे यहाँ फेंक दिया गया। रात में ही पुलिस ने डेडबॉडी की शिनाख्त कर ली थी। जब मृतक के कपड़ों की तलाशी ली गई तो पुलिस को उसका आई कार्ड मिला। आई कार्ड में अंकित फोन नंबर से पुलिस ने मृतक के घर वालों को सूचित किया। दिन शनिवार की सुबह मृतक के परिजन शिकारीपाड़ा थाना पहुंचे। उन्होंने शव की पहचान सोहन ठाकुर (उम्र 50 वर्ष) के रूप में की ।

विदित हो, सोहन ठाकुर बिहार के मुंगेर जिलान्तर्गत कासिम बाज़ार थाना क्षेत्र के नवटोलिया बीनबारा गांव का निवासी था। मृतक के छोटे भाई बबलू ठाकुर के अनुसार सोहन ठाकुर दो दिन पूर्व दिन गुरुवार को कुछ दोस्तों के साथ एक ऑटो रिक्शा से मुंगेर से तारापीठ पूजा के लिए निकला था। सदानन्द नाम के व्यक्ति के अनुसार जब मृतक के दोस्तों को फोन लगाया गया तो वे फोन नहीं उठा रहे हैं, और न ही सोहन ठाकुर के संबंध में घर पर कोई जानकारी ही दी। उसे शक है कि निश्चित तौर पर दोस्तों ने ही साजिश के साथ उसकी हत्या की है। यह पूरी बात मृतक के भाई ने शिकारीपाड़ा पुलिस को बताई।

शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी हरिप्रसाद साह ने कहा कि यह मामला हत्या का है क्योंकि शव सड़क किनारे फेंका हुआ पाया गया। दूसरी बात यह है कि दोस्तों ने घर वालों को कोई सूचना क्यों नहीं दी । समाचार लिखे जाने तक पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कारवाई चल रही थी।

थाना प्रभारी श्री साह ने बताया कि मृतक के भाई बबलू ठाकुर के लिखित आवेदन पर हत्या का मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान प्रारम्भ कर दिया गया है।

मारगोमंडा में प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया

देवघर। प्रशासन आपकी गांव की ओर कार्यक्रम के तहत मारगोमुंडा प्रखंड कार्यालय में प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ बीडीओ शशि संदीप सोरेन और पंचायत प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से शनिवार को किया। मौके पर बीडीओ ने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय में संचालित कल्याणकारी योजना का लाभ आम ग्रामीणों तक सीधा कैसे पहुंचे। इसे ध्यान में रखकर सरकार के द्वारा प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।कहा शिविर में जाति, आय,आवासीय,जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, राजस्व म्यूटेशन, भूमापी,लगान रसीद, ऑनलाइन रिकॉर्ड में सुधार,आयुष्मान भारत कार्ड,आधार कार्ड,मनरेगा से जुड़ी समस्या 15 वें वित्त, किसान क्रेडिट कार्ड, पेंशन,आवास संबंधित आदि मामले का आवेदन प्राप्त किया गया,जिसे निराकरण कर उपायुक्त कार्यालय को प्रतिवेदित किया जायेगा। गए। मौके पर मुखिया, पंचायत सचिव,रोजगार सेवक सहित कई अंचल और प्रखंड कर्मी मौजूद रहे।

दुमका के सभी दस प्रखंडों के हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर में मनाया गया विश्व ध्यान दिवस

दुमका।

दिन शनिवार (21 दिसंबर) को जिला आयुष कार्यालय, दुमका, में विश्व ध्यान दिवस मनाया गया। आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर राजकुमार प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में

ध्यान के विषय में जानकारी दी गई कि आखिर ध्यान है क्या ? कैसे करें ध्यान, ध्यान से कैसे लाभ हो, आज के भाग दौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य अपने आप में इतना व्यस्त है कि अपने शारीरिक, मानसिक स्थिति को खराब कर लेते हैं, दुखी हो जाते हैं , दुखों से घिर जाते हैं। जिले के साथ- साथ दुमका के दसों प्रखंडों के हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर में मनाया। डॉ . राजकुमार प्रजापति ध्यान शिविर में मुख्य रूप से

ध्यान क्या है.....? भगवद् गीता में ध्यान को एक योग क्रिया बताया गया है। जो हमें आत्म अनुशासन की ओर ले जाता है। निरंतर इसका अभ्यास करने से एकाग्रता बढ़ती है, तनाव से मुक्ति मिलती है। मानसिक स्थिरता और संतुलन भी ध्यान करने से प्राप्त होता है। विकारों से मुक्ति पाने और मन की निर्मलता के लिए भी ध्यान किया जाता है। ध्यान जब गहन होने लगता है तो समाधि व्यक्ति को प्राप्त होती है।

ध्यान के जरिए आत्मा का परमात्मा से मिलन होता है। यानि ध्यान वह योग प्रक्रिया है जिसके जरिये हम स्वयं पर सिद्धि प्राप्त करते हैं। ध्यान करने वाले व्यक्ति का मन नियंत्रित रहता है और वो वर्तमान में जीता है। मानसिक और शारीरिक स्थिरता को ध्यान कहना गलत नहीं होगा। इस बार 2024 का ध्यान दिवस थीम का विषय रखा गया है आंतरिक शक्ति वैश्विक सद्भाव रखा है।

जिला आयुष कार्यालय सभागार में योग ध्यान कार्यक्रम में सभी अधिकारी गण.. डॉ.0 अनीता कुमारी , खुशबू कुमारी ,सोना मुनी, प्रदीप यादव, अनंत कुमार, उपेंद्र कुमार, योग शिक्षक संतोष कुमार गोस्वामी के साथ उनको योग साधक उपस्थित हुए।

आध्यात्मिकता के राह पर मेडिटेशन का महत्व

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा डीपीएस दुमका में एक कार्यक्रम रखा गया जिसमें स्कूल के सभी विद्यार्थी, शिक्षक व स्कूल की प्रिंसिपल ने ध्यान लगाया।

दुमका।

सेवा केंद्र की संचालिका बीके जयमाला ने इस अवसर पर कहा कि विश्व ध्यान दिवस मानवता की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला उदेशय वैश्विक स्तर पर मेडिटेशन के महत्व को पहचानना और इसे लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है।

उन्होंने कहा कि ज्ञान का अभ्यास न केवल व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालता है बल्कि यह समाज और समुदाय में शांति, सद्भाव और संतुलन को प्रोत्साहित करता है। ज्ञान के माध्यम से हम अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत कर सकते हैं जिससे हमारा जीवन स्वस्थ और संतुलित बना रहता है। इतना ही नहीं, हम सामूहिक रूप से एक शांतिपूर्ण संवेदनशील और श्रेष्ठ समाज की स्थापना में योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि परिवर्तन संसार का नियम है। दुनिया निरंतर परिवर्तनशील है। मेडिटेशन अज्ञानता और अंधकार से ढके मानव जीवन में एक नया उजाला लाता है।

स्कूल की प्रिंसिपल तनु झा ने कहा कि आज पहला विश्व ध्यान दिवस पर दीदी ने हमारे स्कूल का चयन किया इसके लिये उनका आभार प्रकट करती हूं।

श्रीमती झा ने कहा कि मैं और मेरे स्कूल के बच्चे भाग्यशाली हैं जिन्हें दीदी का सानिध्य प्राप्त हुआ। अच्छी कामेन्टरी कर बच्चों को ध्यान करवाया।

राजकुमार भाई ने व्यसन मुक्ति पर बच्चों को सलाह दी कि आज के नौजवान को इन चीजों से सावधानी रखनी होगी।

राजीव भाई ने कहा कि यदि कोई पत्थर को हथौड़े से तोड़े तो वह टूट जाता है, लेकिन मेडिटेशन वह छेनी है जो पत्थर को शिल्प में बदल देता है।

काजल बहन ने कहा कि आध्यात्मिकता की राह पर चलने के लिए मेडिटेशन अत्यंत आवशयक है। जीवन में सुख, शांति, आनंद, पवित्रता के लिए राजयोग मेडिटेशन का संकल्प महत्वपूर्ण है।

न्यूज अपडेट

अफीम की खेती के खिलाफ लगातार अभियान

- पुलिस और वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कारवाई करते हुए 3.88 एकड़ में लगे अफीम की खेती को किया नष्ट

श्रम बिंदु संवाददाता हजारीबाग। आज दिनांक 21.12.24 को हजारीबाग जिला के कटकमसांडी थाना अंतर्गत ग्राम गुरूडीह में सुराही टोंगरी नाला में पुलिस निरीक्षक पेलावल एवं वन विभाग के संयुक्त छापामारी कर करीब 3.88 एकड़ जंगली जमीन में पोस्ता का खेती नष्ट किया गया। इस संदर्भ में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। अफीम की खेती के खिलाफ जिले भर में बड़ा अभियान चलाया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से तस्करों के मंसूबों को बड़ा झटका लगा है। एसपी श्री अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि कटकमसांडी के गुरूडीह के आस पास अफीम तस्करों के द्वारा अफीम की खेती की जा रही थी जिसे अभियान चलाकर नष्ट कर दिया गया। पुलिस व वन विभाग के संयुक्त कारवाई करते हुए चिन्हित स्थान पर छापेमारी की पुलिस जब स्थल पर पहुंची तो वहां पाया गया कि अफीम के छोटे-छोटे पौधे उग आए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस के द्वारा अफीम की खेती के खिलाफ लगातार कार्रवाई भी की जा रही है और उसे नष्ट भी किया जा रहा है। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस के द्वारा अफीम की खेती करने वाले लोगों को भी चिन्हित करने का कार्य किया जा रहा है और ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

नावाडीह में बिजली ट्रांसफार्मर की तार जल जाने से ग्रामीण परेशान

श्रमबिंदु।विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत विष्णुगढ़ पंचायत के ग्राम नावाडीह में बिजली ट्रांसफार्मर के लिए गई 11000 तार जल गई है। जिसके कारण वहां के ग्रामीण चार दिनों से अंधेरे में गुजारा कर रहे हैं। अभी राशन कार्ड से केवाईसी करने की प्रक्रिया चल रही है। बिजली नहीं मिल पाने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इसकी सूचना बिजली विभाग से संबंधित पदाधिकारीयो को फोन के माध्यम से कई बार दिए जाने के बावजूद भी अभी तक जले हुए तार को नहीं जोड़ा गया है, और ना ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिससे ग्रामीणों में काफी रोष है। इसे जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीणों को बिजली मिल सके।

एकल ग्राम जलापूर्ति योजना के अंतर्गत निर्माण पेयजल टंकी बनी शोपीस, नहीं शुरू हुई पानी की सप्लाई

डोमचांच । प्रखंड अंतर्गत ग्राम गोलवाढाब एकल ग्राम जलापूर्ति योजना के अंतर्गत बने दो पानी टंकी लगभग चार सालों से सोपीश बनकर मीनारें खड़ी है ` ग्रामीणों ने सालों से पानी के लिए परेशान नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब से यह टंकी बनी है आज तक हम लोग के घर में पानी नहीं पहुंच पाया है। विभाग द्वारा जानकारी के अनुसार मोटर सक्सेसफुल नहीं है इसलिए सोलर पैनल लगाया जा रहा है सोलर पैनल लगने के बावजूद भी ग्रामीणों को नल के माध्यम से पानी नहीं मिल पाया बल्कि यह एक शोपीस के रूप में दिखाई दे रहा हैं सौर ऊर्जा आधारित एकल योजनाओं के माध्यम से गांव में जलापूर्ति अवसंरचना का निर्माण किया गया है` ग्रामीणों ने बताया कि सिस्टम पानी टंकी चालू कराने को लेकर विभागीय अधिकारियों से गुहार लगाई गई परंतु आज तक चालू नहीं हो पाया। ग्रामीणों ने शीघ्र सोलर सिस्टम पेयजल आपूर्ति चालू कराने की मांग की है। जिससे ग्रामीणों के सभी घरों तक नल के माध्यम से पानी पहुंच सकें

द हेरिटेज एकेडमी के बच्चों के द्वारा वन भोज पिकनिक का कार्यक्रम

कोडरमा। डोमचांच स्थित द हेरिटेज एकेडमी के बच्चों के द्वारा वन भोज और पिकनिक का कार्यक्रम किया गया वहीं स्कूल के प्रिंसिपल रंजन कुमार सिंह ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी साल के अंतिम महीने में पिकनिक का कार्यक्रम बड़ा ही जोर-शोर से स्कूल में देखने को मिल रहा है इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों के बीच काफी उत्साह और बच्चों और शिक्षकों के बीच अच्छा तालमेल होता है जिससे पठन पठान में आसानी होता है और बच्चों के बीच शिक्षक के प्रति एक अच्छा विचार आता है जिसमें लक्ष्य प्राप्ति करने में और शिक्षकों को बच्चों को पढ़ने में काफी अच्छा तालमेल बैठता है और बच्चों को समय-समय पर इस तरह का कार्यक्रम स्कूल के शिक्षकों के द्वारा करते रहना चाहिए वही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका कविता, गजाला गुलाबशाह, नेहा शिक्षक में डॉक्टर ओमप्रकाश पोद्दार सूरज कुमार सोनू कुमार राजीव शाह आदि लोगों ने हम भूमिका निभाई।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान की 2500 रु के प्रथम किस्त को लेकर माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय कार्यक्रम

- हजारीबाग से दस हजार लाभुक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में होंगे शामिल
- उपायुक्त ने आवासीय कार्यालय में बैठक कर लाभुकों को रांची भेजने को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक,दिए निर्देश

श्रम बिंदु संवाददाता हजारीबाग ।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनाझ के लाभुकों को 2500/- रूपये की प्रथम किस्त भुगतान के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार की अध्यक्षता में 28 दिसंबर को खोजाटोली आर्मी ट्रेनिंग ग्राउण्ड, नामकुम, रांची में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर आज उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने झझारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनाझ के लाभुकों को 2500/- रूपये की प्रथम किस्त भुगतान के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार की अध्यक्षता में खोजाटोली आर्मी ट्रेनिंग ग्राउण्ड, नामकुम, रांची में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कार्यक्रम के संबंध में उपस्थित पदाधिकारियों को अवगत कराया। उपायुक्त ने बताया कि कार्यक्रम में झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कुल 10000 (दस हजार) लाभुकों को हजारीबाग जिला से कार्यक्रम स्थल, नामकुम, रांची ले जाना है। इन दस हजार लाभुकों के लिए प्रर्याप्त बस, प्रखंडवार लाभुकों की सूची सहित इनके भेजने की व्यवस्था आदि को सुनिश्चित करने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

- इस कार्यक्रम के लिए जिलास्तर पर एक टीम गठित की गई है।

जिसमें उप विकास आयुक्त श्री इश्तियाक अहमद, सहायक समाहर्ता श्री लोकेश बारंगे,जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज कुमार तिवारी,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती शिप्रा सिन्हा,नजारत उप समाहर्ता श्री प्रदीप कुमार,सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्रीमती निवेदिता राय,जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जे०एस०एल०पी०एस तथा जिला परिवहन पदाधिकारी, हजारीबाग के प्रतिनिधि को शामिल किया गया है।

केरेडारी पुलिस ने दो को गिरफ्तार कर भेजा जेल , एसडीपीओ पवन कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी

बड़कागांव।

बड़कागांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है कि 20 दिसंबर 2024 को देर रात 10:00 बजे केरेडारी थाना क्षेत्र के ग्राम डंबाबागे के डंबाबागे स्टाफ होटल के पास खड़ा एक हाइवा के पास कुछ लाइट जला कर हरकत कर रहे थे। जिसपर केरेडारी थाना के रात्रि गश्ती कर रहे एसआई टिंकू कुमार सिंह की नजर पड़ी और देखा कि सड़क किनारे खड़े हाइवा नंबर डऊ 09वि 4048 का टायर खोल रहा है। जैसे ही पुलिस को आता देख सभी लोग भागने लगे उसमें से दो व्यक्ति रात का अंधेरा का फायदा उठाकर खेत की तरफ भाग गए एवं एक व्यक्ति बगल में खड़े बोलेरो को लेकर भागने का प्रयास करने लगा तो गश्ती दल ने एक व्यक्ति और पूर्व से बोलेरो में बैठे एक व्यक्ति को पकड़ लिया। बोलेरो का जांच करने पर बोलोरो गाड़ी में टायर खोलने का एक प्रेशर जक लगभग 20 केजी का पाया। उक्त दोनों व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम शेखर कुमार पिता महावीर महतो ग्राम जमीनडीह थाना सीकरी ओपी,नंदकिशोर कुमार पिता सुरेश महतो ग्राम थाना सीकरी ओपी का बताया। तत्पश्चात दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा केरेडारी थाना कांड संख्या 214/24 303(2) / 317(2)/60(a) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर दोनों अभियुक्तों के न्यायिक हिरासत के लिए भेज दिया गया। इस संबंध में आगे एसडीपीओ पवन कुमार ने कहा कि उक्त दोनों अभियुक्त का आपराधिक मामलों की भी गहन पूर्वक जांच की जा रही है।

इसके अलावा अभियुक्त के पास एक महिंद्रा बोलेरो Jh10 बीएस 8589 सहित चका खोलने का 32 नंबर का गोटी रेंज एक पीस, शिकंजा वजन करीब 5 किलोग्राम 32 नंबर चक्का नट 6 पीस, करीब 2 फीट लंबा एक रड, प्रेशर जैक दो पीस वजन 20 किलोग्राम को जप्त किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से एसआई टिंकू कुमार सिंह, एएसआई मुकेश कुमार उपस्थित थे।

नहीं रहे पत्रकार प्रकाश पांडे, सम्पूर्ण पत्रकारिता जगत में शोक का माहौल

श्रमबिंदु।विष्णुगढ़।

दैनिक अखबार आवाज के हजारीबाग जिला ब्यूरो चीफ प्रकाश कुमार पांडेय का शनिवार को हुआ निधन। बता दें कि प्रकाश कुमार पांडेय ने पत्रकारिता में अभिन्न योगदान दिया है, अपने लेखन कला से उन्होंने कई कारनामों को उजागर किया। उनकी कलम की धार थम जाने से चौथे स्तंभ में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ समय से वह बीमार चल रहे थे, इलाज के दौरान रांची के आलम अस्पताल में उन्होंने शुक्रवार की देर रात अंतिम सांस ली। शनिवार संध्या उनका शव विष्णुगढ़ के बनासो स्थित उनके पैतृक गांव पहुंचते ही दुखों का अंबार टूट पड़ा, परिजनों के विलाप से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस दौरान

विष्णुगढ़ के पत्रकारों ने मौके पर पहुंचकर गहरा शोक व्यक्त किया और एकत्रित गाव के ग्रामीणों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुदुभाषी स्वभाव के पत्रकार श्री पांडेय अपने गाँव मे सभी के चहेते थे। वह अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और दो पुत्री को छोड़ गये। विष्णुगढ़ से पत्रकार ललित कुमार मिश्र, बंटी मिश्र, भास्कर दुबे, राजेश दुबे, संतोष शर्मा, जीवन सोनी, श्री सोनी आदि ने बनासो जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी एवं उनके निधन को पत्रकारिता के छेत्र में अपूरणीय क्षति बताया। इसके अलावा आचार्य पुरेन्द्र पांडे, सुरेश राम, शुभम रजक उर्फ लड्डू, नकुल पांडेय, टिपन मिस्त्री, राजेश्वर पांडेय, सचिदानंद पांडेय, जितेंद्र पांडेय, सन्दीप पांडेय, मुन्ना पांडेय आदि ने भी पत्रकार श्री पांडेय के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रधांजलि दी।

हजारीबाग के वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश पांडे के निधन पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने व्यक्त किया शोक

प्रकाश पांडे पत्रकारिता जगत के अमूल्य रत्न थे, जिनकी लेखनी और सरल स्वभाव ने सभी को प्रभावित किया। उनका निधन हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है : प्रदीप प्रसाद

श्रम बिंदु संवाददाता हजारीबाग।

हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने जिले के वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश पांडे के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता जगत में प्रकाश पांडे एक अमूल्य व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। उनके द्वारा की गई पत्रकारिता न केवल सटीक और निष्पक्ष थी, बल्कि उसमें समाज की सच्चाई को सामने लाने की अद्वितीय क्षमता भी थी। उनकी लेखनी में गहरी समझ, स्पष्टता और सरलता थी, जो पाठकों को हमेशा आकर्षित करती थी। उनका स्वभाव भी बेहद सरल और हंसमुख था, जिससे वे सभी के दिलों में खास स्थान रखते थे। प्रकाश पांडे का शनिवार सुबह रांची के आलम अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनका निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके निधन पर जिले भर में शोक की लहर दौड़ गई, और उनके साथ कार्य करने वाले कई पत्रकारों और समाजसेवियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रकाश पांडे ने अपने जीवन में पत्रकारिता के उच्च मानकों को स्थापित किया था। उनका योगदान न केवल क्षेत्रीय पत्रकारिता में था, बल्कि उन्होंने समाज के हर वर्ग के मुद्दों को उजागर करने में अपनी विशेष भूमिका निभाई थी। उनके लेखों में समाज की समस्याओं, मानवीय मुद्दों और राष्ट्रीय मुद्दों पर गहरी सोच और विचार प्रकट होती थी।उनकी यादें और उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा उनके साथ जुड़े रहेंगे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि प्रकाश पांडे की न केवल पत्रकारिता, बल्कि उनके व्यक्तित्व में भी गहरी छाप छोड़ी थी। उन्होंने उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। प्रकाश पांडे का अंतिम संस्कार बनासो मुक्तिधाम में किया गया, जहां उनके परिवार, दोस्तों, और समर्थकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। इस अवसर पर अनेक पत्रकारों समाजसेवियों तथा जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्य और उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा

रामविलास साव को प्रदेश सचिव बनाए जाने पर समर्थकों में हर्ष

बड़कागांव। लोकहित अधिकार पार्टी (झारखंड)के पुर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह रामगढ़ जिला प्रभारी रामविलास साव को लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में अनुभव तथा कार्यकुशलता को देखते हुवे माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील साहु जी ने प्रदेश सचिव का दायित्व दिया है।

वहीं रामविलास साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की सबसे पहले लोअपा प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील साहु जी को नमन अभिनंदन और धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे प्रदेश कार्यसमिति से प्रदेश सचिव बनाए हैं। मैं विश्वास दिलाना चाहता हुं मैं पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए आम जान मानस में लोकहित अधिकार पार्टी द्वारा संवैधानिक हक अधिकार निः शुल्क शिक्षा,निः शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा, समाजिक समानता एवं वास्तविक विस्थापन नीति को लागू करना सहित सभी विषयों को लोगों तक पहुंचा कर पार्टी का सच्चा सिपाही का काम करूंगा। बधाई देने वालों में कुलदीप कुमार साहू, विक्की कुमार, योगेन्द्र साव, योगेन्द्र भुइयां, खेमलाल साव,जिवाधन साहू,झमन साव, संजय कुमार गुप्ता,राजदेव महतो, फुलेश्वर महतो सहित दर्जनों लोगों ने बधाई व शुभकामनाएं देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

हजारीबाग-बगोदर मार्ग पर व्याप्त भ्रष्टाचार की आड़ में पथ मरम्मति की लीपापोती की जा रही थी

श्रमबिंदु।विष्णुगढ़। हज़ारीबाग-बगोदर मार्ग एनएच-522 में पथ पर मरम्मति का कार्य प्रगति पर है। पथ मरम्मति कार्य मे व्याप्त भ्रष्टाचार की आड़ में पथ मरम्मति की जगह सड़क की लीपापोती की जा रही थी। अखबार के माध्यम से जनप्रतिनिधियों एवं जिले के आलाधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया। इसके उपरांत कनीय अभियंता ने मरम्मति कार्य का निरीक्षण किया। सड़क मरम्मति के बाद टूटे सड़क को पुनः उखाड़ कर फिर से मरम्मति का आदेश दिया गया। परन्तु प्रश्न यह है कि ठेकेदार के द्वारा तय मानक के अनुसार कार्य नही किया गया। जिस वजह से इस तरह सड़क टूट गई, आगे किये जाने वाले कार्य पूरी गुणवत्ता से हो, इसके लिए आलाधिकारियों को इस पर संज्ञान लेना अतिआवशयक है।सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि सड़क निर्माण में उपयोग मैटेरियल की मोटाई भी कम दी जा रही है। जिस वजह से आगे भी सड़के जल्द हीं टूट कर उखड़ सकती है, इसकी गहराई से जाँच होनी चाहिए।

एनटीपीसी कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स के द्वारा हजारीबाग में बाइकरों को दि गई हेलमेट

हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह तथा प्रयोजना प्रमुख फैज तैय्यब ने हेलमेट के महत्ता के बारे में दी जानकारी।

हज़ारीबाग ।

कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स, जिसमें पकरी बरवाडीह, चट्टी बरियातू, केरेडारी एवं बादाम कोयला खनन परियोजनाएं आती है इन परियोजनाओं ने अपने सामाजिक विकास दायित्वों के तहत आज हजारीबाग शहर में हजारीबाग पुलिस के सहयोग से सड़क पर बिना हेलमेट लगाए चल रहे बाइकरों को हेलमेट वितरित किया। इस पहल का उद्देशय सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बाइकरों को बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करना था।

हेलमेट्स का वितरण स्थल पर अरविंद कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक (एसपी), हजारीबाग, फैज़ तैय्यब, परियोजना प्रमुख एनएमएल पकरी बरवाडीह, और अरुण कुमार सक्सेना, जनरल मैनेजर, बादाम सीएमपी,के साथ-साथ पुलिस और कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स हजारीबाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान, पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अरविंद कुमार सिंह और फैज़ तैय्यब ने हेलमेट पहनने के महत्व को उजागर किया। उन्होंने समझाया दी कि हेलमेट के बिना बाइक चलाना गंभीर चोटों का कारण बन सकता है, और हेलमेट पहनना स्वयं की सुरक्षा का एक सरल तरीका है।

इस कार्यक्रम में जिले और एनटीपीसी के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के इस कारण का समर्थन किया।

कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स, हजारीबाग, समुदाय की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है और जिम्मेदार तथा सुरक्षित ड्राइविंग आदतों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कदम उठाता रहेगा। उक्त आशय कि जानकारी एनटीपीसी के पीआरओ दिलीप ठाकुर ने दी।

न्यूज अपडेट

लंबित एलपीसी को 7 दिनों में निष्पादित करें अंचलाधिकारी : अपर समाहर्ता

बोकारो । समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने शनिवार को जिले में संचालित ओएनजीसी एवं गेल इंडिया के परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण को लेकर विधि व्यवस्था से संबंधित मामलों के प्रगति आदि की समीक्षा बैठक की।बैठक में गेल इंडिया के चंदनकियारी अंचल क्षेत्र में गैस पाइपलाइन अधिष्ठापन एवं ओएनजीसी कंपनी के गैस पाइपलाइन एवं कुआँ अधिष्ठापन को लेकर जारी भू-अधिग्रहण की प्रगति की जानकारी ली। अपर समाहर्ता ने चंदनकियारी अंचल अधिकारी एवं गोमिया अंचल अधिकारी को संबंधित अधिग्रहित भूमि का लैंड पोजिशनिंग सर्टिफिकेट संबंधित कंपनी को 7 दिनों में निष्पादित करते हुए निर्गत करने का निर्देश दिया। उन्होंने भूमि अधिग्रहण कार्य में उत्पन्न हो रहे विधि-व्यवस्था से संबंधित मामलों की अंचल वार समीक्षा की एवं संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। प्रस्तावित परियोजना में गति को लेकर योजनाबद्ध कार्य करने की बात कहीं। जिला भू अर्जन पदाधिकारी को शिविर लगाकर शेष रैयतों के बीच मुआवजा वितरण का निर्देश दिया।इसके अलावा बैठक में कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा हुई एवं जरूरी दिशा-निर्देश एसी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। मौके पर चास एसडीओ प्रांजल ढ़ांडा, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा,सीटी डीएसपी आलोक रंजन, चंदनकियारी एवं गोमिया अंचल के अंचल अधिकारी दोनों कंपनियों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

नया मोड़ बस पड़ाव का शौचालय हुआ दुरूस्त

बोकारो । उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर तय समय में बोकारो स्टील प्लांट के नगर सेवाएं प्रबंधन द्वारा नया मोड़ स्थित बस पड़ाव के सार्वजनिक शौचालय को दुरूस्त किया गया है। शौचालय के मरम्मति कार्य के साथ ही रंग-रोहन का कार्य भी पूरा किया गया है। शौचालय के दुरूस्त होने से यहां आने-जाने वाले हजारों यात्रियों को सुविधा होगी।

बिदित हो की पिछले दिनों समाहरणालय में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) को बस पड़ाव पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं शौचालय आदि की व्यवस्था को सुदृढ़ करने को कहा था। उन्होंने यात्रियों को हो रही असुविधा पर गहरी नाराजगी जताई थी।जिसके बाद बीएसएल प्रबंधन की टीम ने नया मोड़ बस पड़ाव का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने का भरोसा जिला प्रशासन को दिलाया था।

डीपीएस बोकारो की छात्रा त्रिनयोना को मिला विश्वरत्न सम्मान

बोकारो । गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में डीपीएस बोकारो का प्रयास एक बार फिर सार्थक सिद्ध हुआ है। विद्यालय की 10वीं कक्षा की होनहार छात्रा त्रिनयोना को उत्कृष्ट नृत्यकला के लिए प्रतिष्ठित विश्वरत्न सम्मान से नवाजा गया है। संगीत, कला सहित विभिन्न विधाओं में प्रतिभाओं का मूल्यांकन कर प्रोत्साहित करने वाली जानी-मानी संस्था वर्दी वेलनेस ने व्यापक स्तर पर एक स्पर्धा करवाई थी। इसमें नृत्य संबंधी सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि के लिए विद्यार्थियों की कैटेगरी में पूरे झारखंड से एकमात्र त्रिनयोना को विश्वरत्न सम्मान के लिए चयनित किया गया। उसे स्मृति-चिह्न, प्रशस्ति प्रमाण-पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए शुक्रवार को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने त्रिनयोना को पुरस्कृत करते हुए बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में अपनी खास प्रतिभा होती है और डीपीएस बोकारो अपने विद्यार्थियों की हर प्रतिभा को निखारने का हर अवसर और मंच प्रदान करता रहा है।

मजदूर आन्दोलन से हक लेना बखूबी जानती हैं : राजेंद्र सिंह

क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ के द्वारा ठेका मजदूरो के साथ विशाल मीटिंग की गई

बोकारो ।

बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक-ओवन एवं कोक केमिकल्स विभाग के सुदर्शन कैंटीन में संयंत्र के ठेका मजदूरों की ज्वलंत समस्याओ पर आर-पार की आक्रामक रणनीति पर विचार हेतु क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (हिन्द मजदूर सभा) के द्वारा ठेका मजदूरो की विशाल मीटिंग हुई। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्लांट के कुछ अधिकारी ठेका मजदूरो के हकमारी को हीं अपना एकमात्र कर्तव्य समझते हैं। 15 अक्टूबर के हड़ताल नोटिस के आलोक में वार्ता के दौरान

प्रबंधन ने हड़ताल वापस लेने का अनुरोध करते हुए मजदूरो से वादा किया था कि हम जल्द हीं अपने नियम मे सुधार कर यह सुनिश्चित करेंगे कि एक भी मजदूर मेडिकल चेकअप के वजह से बाहर नहीं हों। मगर इनका कानून है कि सुधरने का नाम ही नही ले रहा है। आज ठेका मजदूर सीधे-सीधे उत्पादन का काम कर रहें है मगर बदले मे मिलता है तो सिर्फ झारखंड सरकार का भवन निर्माण का मिनिमम वेज।झारखंड सरकार के नियमावली मे कारखाना का मिनिमम वेज है ही नही।फिर भी हमे मिनिमम वेज के नाम पर धोखा दिया जा रहा है।ना नाइट शिफ्ट एलाउंस, ना ग्रुच्युटी, ना अन्य किसी प्रकार का भत्ता। हम साफ-साफ प्रबंधन को बता देना चाहते है कि हमे मिनिमम नहीं मैक्सिमम वेज चाहिए।ए.डब्ल्यू.ए का रकम जो हमें दिया जा रहा है उसका ई.एस. आई. तो काटा जाता है मगर मजदूरो को आर्थिक लाभ से वंचित रखने के लिए इस ए.डब्ल्यू.ए की राशि को मिनिमम वेज से नहीं जोड़ा जा रहा है।

जहाँ तक बायोमेट्रिक एटेन्डेन्स का सवाल है हमारा कहना साफ है कि जो सुविधा और नियम अधिकारियो के साथ लागू है वही सुविधाएँ ठेका मजदूरो को भी मिलना चाहिए तभी हमे बायोमेट्रिक एटेन्डेन्स मंजूर होगा। जो कुशल कामगार साथी ई.एस. आई.सी की सीमा से बाहर हो चुके हैं उनके और उनके आश्रितो के ईलाज के लिए कम से कम पाँच लाख रूपये का हेल्थ इंश्योरेंस करो या ईलाज का उत्तम व्यवस्था करो।अन्त में श्री सिंह ने प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी मांगो पर गंभीरता से विचार करते हुए निराकरण के लिए सकारात्मक और ठोस पहल करें नहीं तो मजदूर आन्दोलन से हक लेना बखूबी जानते हैं। मीटिंग को श्री सिंह के अलावे शशिभूषण सिंह , चन्द्र प्रकाश,जुम्मन खान, अभय शर्मा, अमित यादव, आनंद कुमार, हरेराम सिंह, टुनटुन सिंह आदि ने संबोधित किया।

सेल के निदेशक (कार्मिक) ने बोकारो स्टील प्लांट का किया दौरा

बोकारो ।

- स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) के.के. सिंह ने बोकारो स्टील प्लांट के अपने दो दिवसीय दौरे का समापन किया. इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ किया और विभिन्न हितधारकों के साथ संवाद स्थापित कर संगठन की प्रगति को नई दिशा दी.

20 से 21 दिसंबर 2024 तक चले इस दौरे की शुरुआत बीएसएल में 'मन कैपिटल मैनेजमेंट (एचसीएम) सिस्टम के शुभारंभ और इसकी सफल गो-लाइव के साथ हुई. इस उद्घाटन के बाद, श्री सिंह ने विभिन्न ट्रेड यूनियनों और अन्य हितधारकों के साथ बैठक कर सहयोगात्मक रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया.

दौरे के दूसरे दिन श्री सिंह ने

बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी. के. तिवारी के साथ जे एन बी पार्क में वृक्षारोपण कर की. इसके बाद उन्होंने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना किया. बोकारो निवास लॉन क्षेत्र में, श्री सिंह ने बोकारो हाफ मैराथन 2025 के लिए एकीकृत पंजीकरण की शुरुआत की, जो स्वास्थ्य, फिटनेस और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है. इसके बाद उन्होंने बीएसएल के कुछ प्रमुख उत्पादन विभाग यथा कोक ओवन, एसएमएस-न्यू, हॉट स्ट्रिप मिल और कोल्ड रोलिंग मिल-3 का दौरा कर इन इकाइयों का जायज़ा लिया.

कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, श्री सिंह ने सेक्टर 9 स्थित प्रज्ञान केंद्र सीसीबीसी में सेफ्टी ट्रेनिंग के मॉडल इक्विपमेंट एरिया का उदघाटन किया. श्री सिंह ने बीएसएल के मानव संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत संवाद किया और संगठन के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप मानव संसाधन नीतियों को तैयार करने पर चर्चा की. इस बैठक में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक और अन्य वरीय अधिकारी भी शामिल हुए. अपने संक्षिप्त दौरे के दौरान श्री सिंह ने नवाचार, कर्मचारी कल्याण और एच आर प्रबंधन उत्कृष्टता के प्रति सेल की प्रतिबद्धता का संदेश दिया। निदेशक (कार्मिक) अपराह्न बोकारो से विदा हुए.

नगर निगम का चास चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ बैठक संपन्न

चास । चास नगर निगम के प्रशासक सह अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार के निर्देशानुसार एवं नगर प्रबंधक फ़रहत अनीसी, के अध्यक्षता में चास चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गयी ' इस बैठक में चैम्बर की ओर से संजय वैद्य कार्यकारिणी सदस्यों में अनूप भलोटीया, शैलेन्द्र कुमार जायसवाल, सिद्धार्थ जैन एवं अनिकेत चोपड़ा शामिल थे ' नगर प्रबन्धक द्वारा चैम्बर के अंतर्गत सभी व्यवसायियों को व्यापार अनुज्ञप्ति लेने सम्बन्धी जानकारी दी गयी जिस पर सभी सदस्यों एवं संरक्षक द्वारा सहमती प्रदान की गई ' चैम्बर के अंतर्गत सभी व्यवसायियों को व्यापार अनुज्ञप्ति लेने के लिए चैम्बर ऑफ कॉमर्स के आग्रह पर नगर प्रबन्धक द्वारा व्यवसायियों के सुविधा के लिए शिविर लगाने के लिए 26 से 28 दिसंबर तक चैम्बर ऑफ कॉमर्स के कार्यालय में शिविर लगाने की सहमती प्रदान की गई ' फ़रहत अनीसी द्वारा निगम क्षेत्रांतर्गत सारे व्यवसायियों से जल्द से जल्द व्यापार अनुज्ञप्ति प्राप्त करने की अपील की गयी एवं जानकारी भी दी गई कि झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 के धारा 455 के तहत सभी व्यवसाय करने वालों को व्यापार अनुज्ञप्ति लेना अतिआवश्यक है, नहीं लेने पर नियम संगत कार्यवाई करने के लिए निगम बाध्य होगी जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेवार होंगे क

डीपीएस के क्रीड़ा उत्सव समागम में विद्यार्थियों ने दिखाए दमखम, झेलम हाउस बना ओवरऑल चैंपियन

बोकारो ।

खेल हमें असफलता से सफलता पाने की सीख देता है, चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा देता है और जीत का जज्बा सिखाता है। शारीरिक और मानसिक समन्वयन तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए खेलकूद अत्यंत ही आवश्यक है। यह हमें टीम-भावना, अनुशासन तथा सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। जीवन में सफलता के लिए कठिन परिश्रम, सकारात्मक दृष्टिकोण, निरंतरता और लगन अत्यंत आवश्यक है। ये बातें उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. माइकल राज एस. ने कहा। शनिवार को डीपीएस बोकारो में आयोजित 35वें वार्षिक क्रीड़ा उत्सव समागम को वह बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छह सदनों के छात्र-छात्राओं ने पूरे उमंग के साथ भाग लिया और विभिन्न स्पर्धाओं में जमकर अपनी प्रतिभा व अपने दमखम का परिचय दिया। एक मैदान में सैकड़ों

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का समागम एवं कलात्मक शैली में क्रीड़ात्मक स्पर्धाओं में उनकी भागीदारी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए मुख्य अतिथि ने खेल-भावना से प्रतिभागिता का संदेश दिया। समारोह के सम्मानित अतिथियों में डॉ. राधाकृष्णन सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के उपाध्यक्ष एवं जीजीपीएस बोकारो के प्राचार्य सोमेन चक्रवर्ती, महासचिव एवं एआरएस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विश्वजीत पात्रा, जिला प्रशिक्षण समन्वयक एवं चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा, जीजीपीएस चास के प्राचार्य अभिषेक कुमार, आदर्श विद्या मंदिर, चास के प्राचार्य रंजीत कुमार एवं रेनबो पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विपुल सिंह उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य एवं डॉ. राधाकृष्णन सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के अध्यक्ष डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी अभ्यागतों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, मर्यादा, टीम भावना, आपसी तालमेल तथा चुनौतियों से लड़ना सिखाता है।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी सह चंदनकियारी के पूर्व विधायक हरदयाल शर्मा की जन्म जयंती में शिरकत की

बोकारो । स्वतंत्रता सेनानी सह चंदनकियारी के पूर्व विधायक स्वर्गीय हरदयाल शर्मा की जन्म जयंती के अवसर पर बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि हरदयाल बाबू स्वतंत्रता सेनानी थे साथ ही साथ गांधीवादी विचारधारा से प्रभावित थे। मानभूम क्षेत्र के चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के पहले विधायक बनने का गौरव मिला। उन्होने काशीपुर महाराजा को भी चुनौती दी थी।उन्होंने चुनाव जीत कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की शक्ति को दिखाया था।

सामाजिक परिवर्तन और समानता लाने के लिए उनके प्रयास से किया गया कार्यो को इस क्षेत्र की जनता कभी भुला नही पायेगी। शैक्षणिक विकास के लिए 1952 में इन्होने जनसहयोग से कार्तिक चंद्र उच्च विद्यालय की स्थापना की थी।

बिहार बंगाल बिभाजन के समय तेलमोचो पुल से चास रोड तक मानव श्रृंखला बनाकर स्थानीय खोरठा,बंगला भाषा,में झुमौर,लोकगीत के माध्यम परिसीमन टीम को चास चंदनकियारी को बिहार में रखने के लिए बाध्य किया था जो आज वर्तमान में झारखंड प्रदेश का हिस्सा बना।

संत जेवियर्स स्कूल में क्रिसमस महोत्सव उल्लास के साथ मनाया नया

बोकारो ।

संत जेवियर्स स्कूल, बोकारो स्टील सिटी में क्रिसमस महोत्सव बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुरुवात विद्यालय के प्राचार्य फादर अरुण मिंज , एस.जे. ने फीता काटकर पवित्र जल से नवीन मंच का उद्घाटन करते हुए किया। उन्होंने ईश्वर का आशीर्वाद लेकर इस उत्सव को आरंभ किया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता का संचार हुआ।इसके बाद विद्यालय के क्वायर ग्रुप ने प्रार्थना गीत प्रस्तुत कर ईश्वर से सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस मधुर आरंभ के पश्चात कैरोल गायन प्रतियोगिता में विजयी रही। ज़ेवियर हाउस की टीम ने ₹एक तारा₹ गीत प्रस्तुत किया, जिसने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल को ओर भी रोमांचक बना

दिया।इसके उपरांत प्राइमरी खंड के बच्चों ने यीशु मसीह के जन्म पर आधारित एक सुंदर नाटिका प्रस्तुत की। उनकी मासूमियत और अभिनय ने दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान ला दी, जैसे मुरझाए फूलों में नमी की तरह उनकी मासूमियत ने सबको छू लिया। इसके बाद, मध्य विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने जोशीले नृत्य से दर्शकों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। संगीत क्लब के प्रतिभाशाली गायकों ने मधुर क्रिसमस कैरोल गाए, जिनकी धुनों ने श्रोताओं को दिलों में गूंजती रागिनी सा समाहित कर दिया, और तालियों की गड़गड़ाहट से भर दिया। कार्यक्रम में सहायक कर्मचारियों को भी शामिल किया गया, उनके लिए खेल आयोजन किया गया था। इसके बाद विद्यालय के हिंदी मीडियम के बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

एक रोचक पल तब आया जब क्रिसमस क्विन का आयोजन हुआ। इसमें प्रत्येक हाउस से तीन-तीन प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद, बॉक्सन्स (पूर्व ज़ेवियर्स छात्र) ने मंच पर आकर सभी को क्रिसमस और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन से कार्यक्रम में एक नई ऊर्जा भर दी। साथ ही उन्होंने बच्चों के संग क्रिसमस के कुछ गीत गुनगुनाए। अंत में, फादर अरुण मिंज , एस. जे. ने क्रिसमस संदेश देते हुए कहा कि ₹क्रिसमस का अर्थ है ईश्वर को अपना बनाना।₹ उन्होंने प्रेम, शांति और सौहार्द का महत्व समझाया और सभी को खुशियों की बौछार बांटने का संदेश दिया। उन्होंने पूरे कार्यक्रम में बच्चों और उपस्थित जनसमूह की भागीदारी और उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर, विद्यालय की टीम को इंटरस्कूल कैरोल प्रतियोगिता में विजेता बनने पर सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन में विद्यालय प्रांगण विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति से खचाखच भरा हुआ था। विद्यार्थियों के बीच केक वितरण हुआ। संत जेवियर्स स्कूल का यह क्रिसमस महोत्सव न केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिकता का प्रतीक बना, बल्कि यह सभी के हृदय में प्रेम, शांति और सौहार्द का संदेश छोड़ गया।

सेल - बोकारो हाल्फ मैराथन-2025 के लिए रजिस्ट्रेशन आरम्भ

बोकारो ।

एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो अभियान के तहत एक बार फिर बीएसएल द्वारा आगामी 2 फरवरी, 2025 को बोकारो हाल्फ मैराथन का आयोजन किया जाएगा. इस प्रतियोगिता के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत की औपचारिक घोषणा 21 दिसम्बर को बोकारो निवास में आयोजित एक कार्यक्रम में सेल के निदेशक (कार्मिक) के. के. सिंह के द्वारा किया गया. इस मौके पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक व मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे. इस मौके पर सेल के निदेशक (कार्मिक) के. के. सिंह ने बीएसएल की इस पहल की सराहना की और विश्वास जताया कि ज्यादा से ज्यादा लोग हाल्फ मैराथन में शामिल होंगे और इसके आयोजन को सार्थक बनाएंगे. बीएसएल के निदेशक प्रभारी ने कहा कि एक्टिव बोकारो हेल्दी बोकारो की थीम को आगे ले जाते हुए हाल्फ मैराथन 2025 का आयोजन किया जा रहा है ताकि फिटनेस की मुहीम में सभी की सहभागिता हो सके. गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी बोकारो मैराथन के तहत 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़ 40 वर्ष तक के धावकों के लिए, 40 से 60 वर्ष के धावकों के लिए तथा सीनियर

सिटिज़न श्रेणी में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग आयोजित किया जाएगा जिसके लिए आकर्षक नगद पुरस्कार रखे गए हैं. इसके अलावा दिव्यांगजनों के लिए 2 किलोमीटर की दौड़ भी रखी गई है. बोकारो हाल्फ मैराथन में शामिल होने के लिए धावकों को पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना होगा. पोर्टल में रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2025 है. बोकारो हाल्फ मैराथन की शुरुआत मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम से 2 फरवरी को सुबह 6.30 बजे होगी और अलग- अलग श्रेणियों के लिए निर्धारित रूट में धावकों को दौड़ पूरी करनी होगी. उल्लेखनीय है कि बोकारो हाल्फ मैराथन एआईएमएस प्रमाणित भी है, यानी इसकी विश्वव्यापी मान्यता भी है. दौड़ पूरी करने वालों को उनके ईमेल पर प्रमाण पत्र भेज दिए जाएँगे.

उपायुक्त की अध्यक्षता में पीएम आवास योजना व मनरेगा अंतर्गत विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक

सभी योजनाओं का प्रखंडवार समीक्षा कर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को दिया आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश

गिरिडीह/श्रमबिन्दु।

गिरिडीह। आज समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त, नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में पीएम आवास योजना व मनरेगा योजना अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को बेहतर कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के अनुरूप आवास योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही मनरेगा के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस सृजित करते हुए ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त द्वारा मनरेगा के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं को गति के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता एवं सुनियोजित तर-ीके से कराएं ताकि सभी योग्य

लोगों को इसका लाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी प्रखंडों में चल रहे कार्य प्रगति की क्रमवार जानकारी ली और लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने को कहा। उन्होंने अबुआ आवास योजना की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजनों के हित के लिए संचालित इन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए सभी अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रयासरत रहने हेतु निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि संवेदनशील होकर लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु प्रयास किये जाने चाहिए। साथ ही निरन्तर क्षेत्र का भ्रमण करते हुए योजना की पूर्णता में तेजी लाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि हर स्तर से ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने के प्रयास होने चाहिए।

न्यूज अपडेट

पहला कदम स्कूल का दिव्यांगों के हित में प्रयासों को राज्यपाल नें सराहा

श्रमबिंदु /धनबाद । नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम की टीम ने शनिवार को झारखण्ड के राज्यपाल संतोष गंगवार से औपचारिक मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर पहला

कदम की सचिव अनिता अग्रवाल, प्रतिक अग्रवाल और कौशल अग्रवाल ने मुलाकात कर पहला कदम स्कूल के द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र मे किये जाने वाले कार्यो को साझा किया।राज्यपाल के द्वा-रा पहला कदम स्कूल के दिव्यांगों के हित मे होने वाले प्रयासो को सराहा।राज्यपाल के द्वारा की गई यह मुलाकात दिव्यांग बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बेहतर प्रयास करेगा। राज्यपाल ने पहला कदम स्कूल के दिव्यांग बच्चों के हित मे साथ देने का आश्वासन दिया। पहला कदम की पूरी टीम ने राज्यपाल का आभार व्यक्त किया।

ज्वेलरी दुकान में चोरों नें की चोरी का प्रयास, युवक गिरफ्तार

श्रमबिंदु /धनबाद । सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्य मार्ग स्थित जयश्री ज्वेलर्स में बीती रात चोरों ने चोरी का प्रयास किया लेकिन मौके पर सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी पहुंच गयी और एक युवक को रंगे हाथ पकड़ लिया।

पुलिस उससे पूछताछ कर रही है उसका एक अन्य साथी भागने में सफल रहा पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटा रही है।

» रॉड से तोड़ा जाता है दुकानों का ताला

बताया जाता है कि जयश्री ज्वेलर्स में चोरों के दल ने ताला तोड़ कर अंदर प्रवेश का प्रयास किया दुकान का दो ताला को तोड़ दिया था मौके पर पुलिस के पहुंचने से एक युवक पकड़ा गया पुलिस ने उसके पास एक रॉड बरामद किया है रॉड से दुकानों का ताला तोड़ा जाता है घटना के बाद दुकान मालिक अंकुर चौधरी को जानकारी दी गयी।

» घटना सीसीटीवी में हुई कैद

सुबह में दुकान के मालिक पहुंचे तो उन्होंने सीसीटीवी फुटेज को खंगाला फुटेज में दो युवक दिख रहा हैं और दोनों अपना चेहरा छिपाये हुए था सरायढेला पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

सीआईएसएफ व घनुडीह ओपी पुलिस ने छापामारी कर 20 टन अवैध कोयला जप्त किया

श्रमबिंदु /धनबाद । तिसरा,शनिवार को दुर्गापुर कुम्हार पट्टी के निकट व पांडेबेड़ा में अवैध कोयला का भंडारण व ट्रक से ढुलाई का कार्य चल रहा था महीनों से। पर खनन टास्क फोर्स के तहत बरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गुप्त सूचना के अधार पर शनिवार को पांडेय बेड़ा बस्ती स्थित

सीआईएसएफ व घनुडीह ओपी की पुलिस ने संयुक्त रुप से छापामारी कर लगभग 20 टन अवैध कोयला जप्त कर शनिवार को बीसीसीएल प्रबंधन को सौप दिया। इधर छापामारी की भनक लगते ही युक्त स्थल से कोयला चोर भागने में सफल रहे। मौके पर पुलीस टीम के नेतृत्व कर रहे घनुडीह ओपी के एएसआई चूमना उरांव ने बताए कि गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध कारोबारियों द्वारा अवैध रूप से कोयले की भंडारण पांडेय बेड़ा वस्त्ती स्थित किया जा रहा है। जिसे रात के अंधेरे में अवैध कारोबारियों द्वारा ठिकाने लगाने के फिराक में थें। मौके पर सीआईएसएफ के अधिकारी व जवान समेत ओपी के एएसआई अखिलेश कुमार के साथ सहयोगी पुलिस कर्मी मौजूद थे।
समाचार लिखे जाने तक घनुवाडीह ओपी में इस संदर्भ कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्र में दौरा की पीएमओ की पांच सदस्य टीम

श्रमबिंदु /धनबाद । केंद्र की सरकार को मानव की सुरक्षा से ज्यादा चिंता कोयला उत्खनन की है तभी तों मजबूरी में कोयलांचल में बसी घनी आबादी को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास करने की बात करती है। झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्र और विस्थापन की समस्या को लेक-र भारत सरकार की पांच सदस्यीय टीम ने दौरा किया। टीम में कोल इंडिया के असिस्टेंट सेक्रेटरी, नीति आयोग के एडवाइजर, और पीएमओ के डिप्टी सेक्रेटरी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। तीन दिवसीय दौरे के दौरान टीम ने बीसीसीएल के खदानों, विस्थापित क्षेत्र मोहरीबांध, घनुवाडीह का निरीक्षण किया। टीम ने अग्नि प्रभावित क्षेत्र झरिया के मोहरीबांध में लगभग 15 मिनट तक निरीक्षण किया और वहां मौजूद बीसीसीएल के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। जबकि टीम ने शुक्रवार की शाम को कुसुंडा एरिया के ऐना माइंस पहुंची जहां उत्खनन कार्य को देखा। वही हालांकि, स्थानीय लोगों ने टीम की कार्यवाई को महज औपचारिकता करार दिया। झरिया के विस्थापित और अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों ने कहा कि केंद्र सरकार और कोल इंडिया की टीम क्षेत्र का निरीक्षण करने तो आई लेकिन उनकी समस्याओं को नजर अंदाज किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि टीम ने न तो प्रभावितों के घरों का निरीक्षण किया और ना ही उनकी समस्याओं को सुना। बता दे कि अग्नि प्रभावित और भू धसान क्षेत्र में रह रहे लोगों का पुनर्वास कार्य भी बंद है। मगर सरकार ये भूल रही है की आबादी को हटाये बगैर ओसीपी से कोयला उत्खनन (उत्पादन) करना संभव नहीं है।

घर के बाहर बैठे युवक पर धारदार हथियार से हमला

गिरिडीह/श्रमबिन्दु।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कबरीबाद माइंस के समीप आज एक दर्जन की संख्या में पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया।सभी युवक धार-धार हथियार तलवार व भुजाली लेकर हमला करने के लिए पहुंचे हुए थे।हमले में घायल हुए युवक की पहचान दामोदर यादव के रूप में की गई है।
घटना के बाद एसडीपीओ जीतवाहन उरांव,मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो के अलावे भारी संख्या में पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटनास्थल से पुलिस ने भुजाली समेत अन्य हथियार के साथ ग्रामीणों के द्वारा पकड़े गए दो युवकों को कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों के चंगुल से बाहर निकाल कर थाना लाई है। इस संबंध में बताया जाता है कि सीसीएल कोलियरी क्षेत्र के ओपेनकास्ट माइंस में हर दिन ब्लास्टिग की जाती है, आज दोपहर भी ब्लास्टिग का समय था और कंपनी के कर्मी ब्लास्टिग के लिए तैयारी कर रहे थे।इसी बीच 8 से 10 की संख्या में बाइक से पहुंचे युवक इधर-उधर घूमने लगे।जब कंपनी के कर्मी और आसपास मौजूद लोगों ने युवकों को साइट से हटने की बात कही तो सभी युवक आक्रोशित हो गए और दामोदर यादव के साथ गाली गलौज करने लगे।
इसके बाद करीब 20-25 की संख्या में युवक पहुंचे और दामोदर यादव के ऊपर अचानक धारदार हथियार से हमला करना शुरू कर दिया।घटना के बाद दामोदर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।जैसे ही घटना की जानकारी आसपास के ग्रामीणों को मिली तो काफी संख्या में लोग पहुंच गए और दो युवकों को पक-ड़ आक्रोशित ग्रामीणों ने दोनों की जमकर उसकी धुनाई करनी शुरू कर दी।
घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद के साथ भारी संख्या में पुलिस बल के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों के द्वा-रा पकड़े गए दोनों युवकों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाल कर थाने ले आई। घटना के बाबत एसडीपीओ जीतवाहन उरांव ने बताया कि घटनास्थल से खून के सैंपल,हथियार समेत दो युवकों को हिरासत में लिया गया है। घटना में शामिल अन्य युवकों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। कहा की इस तरह की घटना को अंजाम देने वाले दोषी किसी भी सूरत में नहीं बख्शे जायेंगे।

महिला ने मारपीट कर घायल कर देने का लगाया आरोप

डुमरी/श्रमबिन्दु। डुमरी थाना क्षेत्र के चाल में बरमसिया कोल्हुआ ग्राम निवासी सुधीर सिन्हा की पत्नी पूनम देवी ने गांव के एक व्यक्ति द्वारा मारपीट कर उन्हें घायल कर देने का आरोप लगाते हुए थाने को आवेदन दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए पीड़िता ने शनिवार को बताया कि 19 दिसंबर की देर शाम करीब 6.30 बजे गांव के वीरेंद्र कुमार सिंह पुत्र रामचंद्र प्रसाद शराब के नशे की हालत में उन्हें गंदी गालियां देने लगा,रोकने पर वह लोहे की रॉड से उन्हें मारने लगा।जिससे पीड़िता के बायां हाथ और दाहिने आंख के बगल से खून बहने लगा।इस दौरान बचाने पहुंचे

पीड़िता के भाई अजय कुमार सिन्हा पहुंचे तो उन्हें भी लोहे की रॉड से मारने लगा।जिससे वह भी घायल हो गए। वहीं उसने धमकी देते हुए कहा कि पूरे परिवार को जान से मार देंगे,तुम सबको मारकर जेल चले जाएंगे,कोई फर्क नहीं पड़ता है। डुमरी थाना क्षेत्र के चालमो बरमसिया कोल्हुआ ग्राम निवासी सुधीर सिन्हा की पत्नी पूनम देवी ने गांव के एक व्यक्ति द्वारा मारपीट कर उन्हें घायल कर देने का आरोप लगाते हुए थाने को आवेदन दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए पीड़िता ने शनिवार की अपराह्न करीब 2 बजे बताया कि 19 दिसंबर की देर शाम करीब 6.30 बजे गांव के वीरेंद्र कुमार सिंह पुत्र रामचंद्र प्रसाद शराब के नशे की हालत में उन्हें गंदी गालियां देने लगा,रोकने पर वह लोहे की रॉड से उन्हें मारने लगा।जिससे पीड़िता के बायां हाथ और दाहिने आंख के बगल से खून बहने लगा।इस दौरान बचाने पहुंचे पीड़िता के भाई अजय कुमार सिन्हा पहुंचे तो उन्हें भी लोहे की रॉड से मारने लगा।जिससे वह भी घायल हो गए। वहीं उसने धमकी देते हुए कहा कि पूरे परिवार को जान से मार देंगे,तुम सबको मारकर जेल चले जाएंगे,कोई फर्क नहीं पड़ता है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

कुजामा में बीसीक्यू के 6 नंबर साइडींग का हुआ शाखा सम्मेलन

श्रमबिंदु /धनबाद ।

तिसरा, 21 दिसंबर को बिहार कोलियरी कामगार यूनियन का 6 नंबर साइडिंग शाखा का सम्मेलन कुजामा में कॉमरेड राम प्रसाद यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।
सबसे पहले सम्मेलन का उद्घाटन भाषण बीसीकेयू के केंद्रीय संगठन मंत्री ए एम पाल ने किया इसके बाद कमेटी में उपस्थित तमाम साथियों ने सम्मेलन में बहस में भाग लिया। इसके बाद 26 सदस्यों वाली नई कमेटी का गठन किया गया कामरेड रामप्रसाद यादव अध्यक्ष मनोज निषाद उपाध्यक्ष राजकुमार चौहान उपाध्यक्ष रेखा देवी उपाध्यक्ष आशा वर्मा उपाध्यक्ष अशोक राम सचिव अनिल पासवान संयुक्त सचिव काजल मंडल संयुक्त सचिव पुतुल देवी संयुक्त सचिव मुनिया देवी संयुक्त सचिव रामप्रवेश पासवान कोषाध्यक्ष हरे राम पासवान बुधन पासवान गोरेलाल बावरी सूरज पासी राजदीप बावड़ी मंगल भैया महेंद्र भैया ललित भैया सुधीर पासवान शीव बच्चन पासवान सुंदरवन बेलदारीन सोना देवी राजा कुमार संजू देवी उपेंद्र पासवान एवं कमेटी का संरक्षक कॉम कुंदन पासवान कामरेड मनोज पासवान चुने गए।
सम्मेलन को बीसीकेयू के केंद्रीय उपाध्यक्ष का0 सुरेश प्रसाद गुप्ता ने अनगिनत चर्चाओं के साथ साथ सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा की वर्तमान समय में सरकार की नीतियों के वजह से खासकर असंगठित क्षेत्र के ठेका मजदूरों को उनका कानूनी अधिकार भी नहीं मिल पा रहा है,जबकि कोल इंडिया के ठेका मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी तय है जो आज तक नहीं मिल पाया हैं। आज लाल झंडा के तले मजदूरों को संगठित हो कर संघर्ष के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा हैं। मजदूर संगठित होकर संघर्ष करें तो मजदूरों की जीत सुनिश्चित है। आने वाले दिनों में लाल झंडा तमाम वैसे मजदूर जो अधिकारों से वंचित किया जा रहे हैं उनकी लड़ाई लडने के लिए कटिबध है।

स्व मेघलाल महतो की 7वीं पुण्य तिथि मनाई गई

डुमरी /श्रमबिन्दु । झारखंड अन्दोलकारी अगुवा साथी स्व मेघलाल महतो का 7 वीं पुण्य तिथि मेघालाल महतो स्मारक समिति द्वारा डुमरी प्रखंड के नगलो मुंगीटांड में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जयराम महतो, विशिष्ट अतिथि जिप सदस्या सुनीता कुमारी,धनेश्वर विद्यार्थी,मुखिया जागेश्वर महतो आदि उपस्थित हुए ।
वहीं मेघलाल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस दौरान विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड अन्दोलकारी स्व महतो गरीब शोषित लोगों नेता थे। महाजनी प्राथना शराब खोरी को समाप्त करने मे दिशा मे पहल किया था।
बृहद झारखंड आदिवासी कुंडली मंच जिला संरक्षक धानेश्वर विद्यार्थी, मेघलाल महतो ने कहा युवा काल से हम साथ जुड़े कर कार्य किया है सम्पर्क में साथ रहे हैं। उस जमाने में डुमरी क्षेत्र दक्षिणी भाग और नावाडीह का पश्चिमी और उतरी भाग में महाजनी जुल्म का आतंक फैला हुआ था। उन्होंने समाज के जरिये लोगों को जोड़ कर महाजनी प्रथा को समाप्त किया। इस दौरान स्व महतो के बड़े पुत्र के द्वारा असहाय गरिब बुजुर्ग महिला पुरुष के बीच में कम्बल का वितरण किया गया। मौके पर बृहद झारखंड आदिवासी कुंडली मंच जिला अध्यक्ष बैजनाथ महतो, दुर्गा शंकर, सबिता देवी,डालेशवर महतो,खिरोधर महतो,खैटा महतो,बैजनाथ महतो,राम प्रसाद महतो, सुरेश महतो,तुलसी महतो, बिशेश्वर शर्मा,रिकु, स्टाइलस शंकर, लिलो महतो, घनश्याम महतो आदि सहित अन्य उपस्थित थे।

जरूरतमंदों के बीच मानव सेवा परिषद व युवा शक्ति ने किया कंबल वितरण

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक राज सिन्हा ने संयुक्त सेवाकार्य की सराहना की

श्रमबिंदु /धनबाद ।

जिले में लगातार ठंड बढ़ रही है। ऐसे में असहाय जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटकर उन्हें ठंड से राहत देने के लिए मानव सेवा परिषद व युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को धनबाद के पुराना बाजार स्थित बाबा शनि मंदिर के समीप एकत्रित हुए गरीब गुर्बो के बीच कंबल और नाश्ता का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक राज सिन्हा उपस्थित हुए।जहां सभी ने विधायक राज सिन्हा को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।विधायक ने संस्था के इस प्रयास की सरहाना की।साथ ही कहा कि वे अपने स्तर से भी कंबल वितरण एवं जगह - जगह अलाव की व्यवस्था करेंगे। ताकि लोगों को ठंड से राहत पहुंचाई जा सके।समाजसेवी उदय प्रताप सिंह ने कहा कि उन्होंने इस ठंड में एक हजार कंबल बाँटने का लक्ष्य लिया है साथ ही जिले के उपायुक्त से जिले में अविलम्ब अलाव की व्यवस्था कराने की मांग की।युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक दिलीप सिंह ने कहा कि युवा संघर्ष मोर्चा व मानव सेवा परिषद के द्वारा कंबल जरूरतमंदों के बीच बांटे गए हैं । मानव सेवा परिषद न सिर्फ कंबल वितरण का कार्य कर रही है बल्कि गरीबों के बीच प्रत्येक शनिवार को भोजन वितरण भी कराती है। शीघ्र ही शहर एवं गांवों में जरूरत मंद लोगों को कंबल वितरण किया जाएगा।कम्बल वितरण कार्यक्रम में विधायक राज सिन्हा, उदय प्रताप सिंह दिलीप सिंह,मानस प्रसून, श्रवण राय,नगेंद्र सिंह, रामानंद सिंह , मिथलेश सिंह, सुमन झा , जीरखन सिंह, निर्भय सिन्हा, राजा तिवारी, परशुराम सिंह , रंजय सिंह,मनोज मालाकार समेत अन्य लोग शामिल थे।

पुनः बने कृष्णा अग्रवाल धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निर्विरोध अध्यक्ष

श्रमबिंदु /धनबाद ।

धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन सत्र 2024-2026 के लिए पुनः एक बार कृष्णा अग्रवाल को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित हुए।
ज्ञातव्य हो कि धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन (सत्र 2024-2026) के अध्यक्ष पद का चुनाव सम्पन्न कराने हेतु तीन सदस्यीय चुनाव अधिकारी नियुक्त किये गया थे,जिसमें सर्वश्री अनिल गुप्ता,राजेश रिटोलिया एवं दीपक रुइया थे।जिला अध्यक्ष पद के प्रत्याशी के रूप में दो सदस्यों सुरेंद्र अग्रवाल एवँ कृष्णा अग्रवाल ने नामांकन किया था। इनदोनो के मध्य ही चुनाव होना था।
दिनाँक 19 दिसम्बर को सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता दीना नाथ चौधरी एवं मुख्य चुनाव पदाधिकारी अनिल गुप्ता की पहल पर प्रत्याशी सुरेन्द्र अग्रवाल के आवास पर महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें सुरेन्द्र अग्रवाल ने सर्वसम्मति का मार्ग प्रशस्त करते हुए अपना नामांकन वापस ले लिया। ऐसे परिस्तिथि में कृष्णा अग्रवाल निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। सुरेन्द्र अग्रवाल ने अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामना देते हुए सत्र 2024-2026 के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।
अध्यक्ष बनने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देते हुए शनिवार को संध्या हीरापुर स्थित अग्रसेन भवन में निर्वाचन पदाधिकारी अनिल गुप्ता, राजेश रिटोलिया एवं दीपक रुइया ने संयुक्त रूप से सत्र 2024-2026 के लिए अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल को प्रमाण पत्र प्रदान किया।प्रमाण पत्र मिलने के बाद अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने मारवाड़ी सम्मेलन के तमाम सदस्यों के साथ साथ पूरे समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन ने जो दायित्व दिया है उसपर खरा उतरने का प्रयास करूंगा ओर सभी को साथ लेकर बड़ो के मार्गदर्शन में सम्मेलन को ओर अधिक मजबूत बनाया जाएगा।झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रमंडलीय मंत्री जितेंद्र अग्रवाल ने कृष्णा अग्रवाल को प्रांत की ओर से बधाई देते हुए कहा कि कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में सम्मेलन पूरे प्रांत में अव्वल स्थान प्राप्त करेगा ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष चेतन गोयनका ने कहा कि कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन मारवाड़ी समाज को नई दिशा प्रदान करेगा।सम्मेलन के वरीय संगरक्ष सदस्य कृष्ण लाल रूँगटा ने कहा कि अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल की सक्रियता एवं आक्रमकता का लाभ निश्चित रूप से पूरे समाज के साथ साथ मारवाड़ी सम्मेलन को मिला।सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं संगरक्ष सदस्य शम्भूनाथ अग्रवाल ने कहा कि कृष्णा अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में सम्मेलन को एक नई ऊर्जा एवं पहचान प्राप्त हुई।राजकमल सरस्वती शिशु विद्यालय के अध्यक्ष एवं वरीय संगरक्ष सदस्य विनोद तुलस्यान के कहा कि समग्र समाज मे मारवाड़ी सम्मेलन की प्रतिष्ठा बढ़ी है और अधिक से अधिक संख्या में समाज के बंधुओं को जोड़ना की आवश्यकता है।निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर कृष्णा अग्रवाल को दीनानाथ चौधरी,पुष्कर मल डोकानिया,कृष्णा लोहारुका, राजेन्द्र बंसल,रमेश रिटोलिया,चेतन गोयनका, रामबिलास गोयल,संजीव अग्रवाल,ललित झुनझुनवाला,अनिल गुप्ता,राजेश रिटोलिया, दीपक रुइया,संजय गोयल,कुलदीप अग्रवाल,अरुण अग्रवाल,किशन अग्रवाल,जितेंद्र अग्रवाल, शिवप्रकाश लाटा,ओमप्रकाश बजाज, निरंजन अग्रवाल,किशन जिंदल,प्रदीप अग्रवाल,राकेश हेलिवाल,मिठू सरिया,शेखर शर्मा,गोपाल अग्रवाल चंद्रशेखर अग्रवाल,पवन गड्डयाँन, सज्जन खरकिया,अमित अग्रवाल, अनिल खेमका,राजेश खरकिया, अनिल बंसल,बजरंग अग्रवाल, दीपक अग्रवाल,दिनेश हेलिवाल, संजय कथूरिया,सुनील अग्रवाल पुन्नू,विजय अग्रवाल,पूरणमल गोयल,कमल खेड़िया,विकाश अग्रवाल,दिलीप गोयल,प्रमोद अग्रवाल,सुशील चौधरी, विमल आखेरामका,राजेश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल आदि ने बधाई दी।

स्वामी, शिव श्रीवास्तव के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक संतोष पाठक द्वारा फ्लैट नं. 4 ई नलिनी पैलेस, एलबर्ट कम्पाउंड पुरुलिया रोड, रांची 8340 01 से प्रकाशित तथा फारूकी तंजीम प्रेस चटर्जी कम्पाउन्ड बहुबाजार से मुद्रित।
संपादक संतोष पाठक *पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार चयन हेतु जिम्मेदार मो. 7979985594 ईमेल - shrambindujharkhand@gmail.com